RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

11 वर्ष

दैनिक सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, गुरुवार ●18 अप्रैल , 2024 वर्षः-11 अंक - 350 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

खेल बच्चों का मौलिक अधिकार...

बिना प्ले ग्राउंड वाले स्कूलों पर लगना चाहिए ताला

तिरुवंतपुरम (एजेंसी)। केरल हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को आदेश दिया है कि जिन स्कूलों में खेल के मैदान नहीं हैं, उन स्कूलों पर ताला लगाया जाना चाहिए। अदालत ने अहम टिप्पणी की कि खेल बच्चों का मौलिक अधिकार है और शिक्षा को सिर्फ कक्षाओं तक ही सीमित नहीं रखना चाहिए। जिस तरह पठन-पाठन बच्चे

के लिए जरूरी है, बच्चे के लिए उतना ही जरूरी खेल शिक्षा भी है। इससे बच्चों के सर्वांगीण विकास की भावना को पूरा किया सकता है। न्यायमूर्ति पीवी कुन्हिकृष्णन मामले की सुनवाई कर रहे थे। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि केरल में कई स्कूल प्रशासन राज्य शिक्षा नियमों (केईआर) के विपरीत कार्य कर रहे हैं। अदालत ने यह भी माना कि केईआर ने राज्य के स्कूलों में खेल के मैदानों में आवश्यक सुविधाओं को स्पष्ट नहीं किया है और यही वजह है कि स्कूल प्रबंधन द्वारा इसका फायदा उठाया जाता है।

वर्चुअल दुनिया में सियासत के अखाड़े जैसे दांव-पेंच

- लोकसभा चुनाव 2024 में ऑनलाइन गेम बना रहे सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 में जीत के लिए सियासी दल धरातल पर पूरा जोर लगा रहे हैं। सोशल मीडिया पर भी चुनाव प्रचार जारी है। भारत में 19 अप्रैल से मतदान का प्रथम चरण शुरू होना है। इसके नतीजे चार जून को

आएंगे, लेकिन सियासत में रुचि रखने वाले लोग ऑनलाइन गेम खेलकर अपनी सरकार बना रहे हैं। वे अपनी पार्टी बनाते हैं, प्रत्याशी उतारते हैं और वोट भी मांगते हैं। एजेंडा तय करते हुए ऑनलाइन जनसभाएं तक कर रहे हैं। यही नहीं, वोटिंग के बाद सरकार भी चुनी जा रही है।

एमपी में टेम्प्रेचर फिर 40 पार, धार सबसे गर्म

- ओले-बारिश का दौर थमा, गर्मी बढ़ी; दो दिन ऐसा ही रहेगा मौसम

भोपाल। ओले-बारिश और आंधी का दौर थमने के बाद मध्य प्रदेश में गर्मी का असर बढ़ गया है। इससे प्रदेश में टेम्प्रेचर फिर से 40 डिग्री के पार पहुंच गया है। मंगलवार को उज्जैन, नौगांव, खजुराहो, धार समेत 12 शहरों में तापमान 40 डिग्री या इससे अधिक रहा। धार सबसे गर्म रहा। यहां दिन का टेम्प्रेचर 41.6 डिग्री पहुंच गया। मौसम वैज्ञानिक प्रमेंद्र कुमार ने बताया, 2 दिन ऐसी ही गर्मी रहेगी। 19 अप्रैल से फिर से आंधी-बारिश का दौर शुरू हो सकता है।

इससे पहले मंगलवार को धार, गुना, नर्मदापुरम, रतलाम, मंडला, नौगांव, खंडवा, शाजापुर, रीवा, सतना और खजुराहो में पारा 40 से लेकर 41.6 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं, भोपाल, इंदौर, जबलपुर, दमोह, मलाजखंड, सागर, सीधी और उमरिया में पारा 39 डिग्री से ज्यादा रहा। ऐसा ही मौसम बुधवार को भी बना रहेगा। मौसम विभाग ने तेज गर्मी का असर रहने का अलर्ट जारी किया है। मौसम वैज्ञानिक प्रमेंद्र कुमार ने बताया, 18 अप्रैल को उत्तर भारत में वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) ऐक्टिव हो रहा है।

रामनवमी पर अयोध्या में दिखा 'विज्ञान' का चमत्कार

● प्राण प्रतिष्ठा के बाद रामलला का हुआ भव्य 'सूर्य तिलक' ● 12 बजते ही अभिजीत मुहूर्त में माथे पर पड़ीं नीली किरणें

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में बुधवार यानी 17 अप्रैल को रामनवमी पर दोपहर 12 बजे से रामलला का सूर्य तिलक हुआ। प्राण प्रतिष्ठा के बाद रामलला का यह पहला सूर्य तिलक है। दोपहर 12 बजे अभिजीत मुहूर्त में रामलला का सूर्य तिलक किया गया और मस्तक पर 3 मिनट तक नीली किरणें पड़ीं। सूर्य तिलक के साथ ही रामलला का जन्म हो गया। मंदिर में आरती की गई। सूर्य तिलक के बाद कुछ देर के लिए रामलला का पट बंद कर दिया गया। इससे पहले जगद्गुरु राघवाचार्य ने 51 कलशों से भगवान रामलला का अभिषेक किया। आज सुबह 3.30 बजे मंदिर के कपाट खुल गए, आम दिनों में यह 6.30 बजे खुलते हैं। श्रद्धालु रात 11.30 बजे तक, यानी 20 घंटे दर्शन कर सकेंगे। पीएम नरेंद्र मोदी ने भी टैबलेट में रामलला का सूर्य तिलक देखा। सूर्य तिलक के लिए अष्टधातु के 20 पाइप से 65 फीट लंबा सिस्टम बनाया गया। इसमें 4 लेंस और 4 मिरर के जरिए गर्भ गृह तक रामलला के मस्तक पर किरणें पहुंचाई गईं। अब तक 6 लाख श्रद्धालु अयोध्या पहुंच चुके हैं। राम जन्मभूमि परिसर में लंबी लाइनें लगी हैं। राम पथ, भक्ति पथ और जन्मभूमि पथ पर काफी भीड़ है।

नंगे पैर और सीने पर हाथ, पीएम मोदी ने देखा सूर्य तिलक

अयोध्या में आज रामनवमी के मौके पर रामलला का भव्य 'सूर्य तिलक' का आयोजन हुआ। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी असम में चुनावी सभा को संबोधित करने पहुंचे थे। सभा को संबोधित करने के बाद उन्होंने हेलीकॉप्टर में इस अभिषेक को अपने टैब पर देखा। इस दौरान पीएम मोदी भावुक दिखे। उन्होंने अपने जूते उतार रखे थे और एक हाथ अपने सीने से लगाकर रामलला की अराधना करते दिखे। पीएम मोदी ने इस पल की दो तस्वीरें भी जारी की हैं। उन्होंने लिखा, नलबाड़ी की सभा के बाद मुझे अयोध्या में रामलला के सूर्य तिलक के अद्भुत और अप्रतिम क्षण को देखने का सौभाग्य मिला। श्रीराम जन्मभूमि का ये बहुप्रतीक्षित क्षण हर किसी के लिए परमानंद का क्षण है। ये सूर्य तिलक, विकसित भारत के हर संकल्प को अपनी दिव्य ऊर्जा से इसी तरह प्रकाशित करेगा। आपको बता दें कि अयोध्या में 22 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में नए मंदिर में भगवान राम की मूर्ति की प्रतिष्ठा के बाद यह पहली रामनवमी है। दोपहर 12 बजे करीब सूर्य की किरणें रामलला के मस्तक पर पड़ीं और दर्पण व लेंस से जुड़े एक विस्तृत तंत्र द्वारा उनका सूर्य तिलक हुआ। इस प्रणाली का परीक्षण वैज्ञानिकों ने मंगलवार को किया।

जीतू बोले-पहले चरण की 6 में से 4 सीटें जीतेंगे

भोपाल। मप्र में बुधवार शाम को पहले चरण के 6 लोकसभा क्षेत्रों में चुनाव प्रचार थम गया। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने दावा किया कि 19 अप्रैल को होने वाले चुनाव में 6 में से 4 सीट कांग्रेस जीत रही है। पटवारी ने कहा मोदी जी ने 2014 में कहा था कि आपके बेटे को रोजगार दूंगा। अगर आपके बेटे को मिल गया है तो फिर मोदी जी का वोट बनता है। अगर नहीं मिला है तो विचार करना पड़ेगा। पटवारी ने कहा- इन्होंने कहा था कि मंहगाई कम कर दूंगा अगर आपके परिवार में मंहगाई कम हुई है तो मोदी जी को ही वोट दो। अगर मंहगाई बढ़ी है तो वोट कैसा। ये राजनीतिक विचार से बड़ा लोकतंत्र को बचाने का विचार है।

भोज यूनिवर्सिटी में 2 दिन से सर्चिंग, नहीं दिखा तेंदुआ

कैम्पस में एंट्री पर रोक; 50 परिवार में दहशत; रात में घरों से नहीं निकल रहे

भोपाल। भोपाल की भोज (ओपन) यूनिवर्सिटी कैम्पस में तेंदुए की तलाश में दो दिन से सर्चिंग चल रही है, लेकिन वह नहीं दिखा है। ऐसे में संभावना है कि वह कैम्पस के पीछे के रास्ते से जंगल की ओर चला गया। बावजूद एहतियात के तौर पर कैम्पस में रहने वाले परिवारों को घरों में रहने की समझाइश दी गई है। ऐसे में वे अंधेरे में घर से बाहर नहीं निकल रहे हैं। यूनिवर्सिटी कैम्पस में सोमवार रात में तेंदुए का मूवमेंट देखने को मिला था। वह कर्मचारियों के क्वार्टर के आसपास घूम रहा था। मंगलवार की रात और बुधवार को तेंदुआ नजर नहीं आया, लेकिन दहशत बरकरार है। इधर, वन विभाग के 10 कर्मचारियों की टीम दो दिन से सर्चिंग कर रही है। अफसरों ने बताया कि कैम्पस के पीछे जंगल है। तेंदुआ वही से आया है। यहां पर कई टाइगर और तेंदुए है। हालांकि, तेंदुआ नजर नहीं आया है। ऐसे में यह भी संभावना है कि वे जंगल की ओर चला गया। फिर भी टीम तैनात होकर नजर रख रही है। भोज यूनिवर्सिटी कैम्पस 25 एकड़ में फैला है। यह चूना भट्टी और सर्व-धर्म पुल (कोलार रोड) के बीच है। इसके बीचों-बीच से कलियासोत नदी गुजरी है। वहीं, पीछे वाल्मी की पहाड़ी है।

वफादारों में भगदड़ के बाद परिवार के सहारे 'नाथ'

- इस बार 'कमल' का होगा छिंदवाड़ा! कांटे की है टक्कर
- विवेक बंटी साहू और नकुल नाथ के बीच है मुकाबला

भोपाल। भगवा गढ़ मध्य प्रदेश में छिंदवाड़ा से बड़ा कोई राजनीतिक मुकाबला नहीं है। 70 से ज़्यादा सालों से, दक्षिण मध्य प्रदेश का यह निर्वाचन क्षेत्र कांग्रेस का गढ़ रहा है, जिसकी पहचान पिछले 45 सालों से नाथों से है। इंदिरा गांधी के तीसरे बेटे कमल नाथ, उनकी पत्नी अलका और बेटा नकुल। भाजपा की ताकतवर चुनावी मशीनरी कांग्रेस के इस गढ़ को भेदने में नाकाम रही है, यहां तक कि 2019 और 2023 की मोदी लहर के दौरान भी तमाम कोशिशें असफल रहीं। हालांकि, इस बार यहां हालात अलग दिख रहे हैं। भाजपा नाथ के वफादारों और लंबे समय से कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को तोड़ रही है, जिससे कमल नाथ और नकुल को अपने क्षेत्र में अकेले संघर्ष करना पड़ रहा है। 2023 के विधानसभा चुनाव समाप्त होने के बाद से, छिंदवाड़ा से कांग्रेस के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का पलायन हुआ है। पंचायत सदस्य, पार्षद, स्थानीय महापौर, दो पूर्व

विधायक, कमल नाथ के कई लंबे समय से वफादार और यहां तक कि एक विधायक भी। नाथों के लिए सबसे बड़ा झटका अमरवाड़ा के विधायक कमलेश शाह का दलबदल था। यह वह क्षेत्र है जिसने 2019 के लोकसभा चुनावों में नकुल को महत्वपूर्ण बढ़त दिलाई थी, जब छिंदवाड़ा ने कांग्रेस को राज्य की 29 सीटों में से एकमात्र जीत दिलाई थी।

मोदी बोले-असम को कांग्रेस ने 'पंजे' में जकड़ा था

विपक्ष ने नॉर्थ-ईस्ट में अलगाववाद को खाद-पानी दिया, मोदी ने गले लगाया

गुवाहाटी (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को असम और त्रिपुरा दौरे पर हैं। उन्होंने असम के नलबाड़ी में चुनाव रैली को संबोधित करते हुए कहा- कांग्रेस ने सियासी फायदे के लिए असम को अपने पंजे में जकड़ रखा था। ताकि उनके लिए लूट और भ्रष्टाचार के रास्ते खुले रहें। अब ये पंजा खुल गया है। असम में सबका साथ और सबका विकास हो रहा है। मोदी ने कहा- जिस नॉर्थ-ईस्ट को कांग्रेस और विपक्ष ने समस्याएं दीं, अलगाववाद को खाद-पानी दिया। उस नॉर्थ-ईस्ट को मोदी ने गले लगाया। जो

कांग्रेस के 60 वर्षों में नहीं हुआ, वह मोदी ने 10 साल में किया। मोदी जिस समय भाषण दे रहे थे, उसी समय अयोध्या के राम मंदिर में रामलला का सूर्यतिलक हो रहा था। मोदी ने फोन की फ्लैश लाइट जला कर लोगों से सूर्य तिलक के कार्यक्रम से जुड़ने का आह्वान किया। सभा के बाद उन्होंने टैबलेट पर सूर्यतिलक देखा और सोशल मीडिय प्लेटफॉर्म एक्स पर तस्वीरें पोस्ट कीं। नलबाड़ी के बाद मोदी त्रिपुरा के अगरतला में रैली को संबोधित करेंगे। वे मंगलवार को देर शाम गुवाहाटी पहुंचे थे। उन्होंने वहां रोड शो के दौरान लोगों का अभिवादन किया। वे रात में गुवाहाटी में ही रुके थे। एनडीए सरकार की योजनाओं में कोई भेदभाव नहीं होता। योजनाओं का लाभ हर किसी को मिलता है। अब एनडीए ने ठाना है कि देश के हर नागरिक तक पहुंचकर जिस सुविधा का वो पात्र है, वो सुविधा उसे दी जाएगी। अब 70 साल के ऊपर के बुजुर्गों की सेवा आपका बेटा मोदी करेगा। इन्हें 5 लाख तक के मुफ्त इलाज की सुविधा मिलेगी। आपका बिजली बिल जीरो आए, इसलिए कम दाम पर सोलर पैनल दिए जाएंगे। इसके अलावा हमने लक्ष्य रखा है 3 करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाएंगे। हमने खरीफ फसलों का एमएसपी बढ़ाया है।

भोपाल में छात्रा से स्कूल वैन ड्राइवर ने किया दुष्कर्म

49 दिन तक बंधक बनाए रखा, 10वीं के आखिरी पेपर के दिन किया था किडनैप

भोपाल। राजधानी भोपाल में नाबालिग छात्रा (16) से अपहरण के बाद दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। आरोपी स्कूल वैन ड्राइवर है। अपहरण के 49 दिन बाद पुलिस छात्रा को बरामद कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार छात्रा को 26 फरवरी को थाना शाहजहांनाबाद इलाके से अगवा किया गया था। दसवीं कक्षा की छात्रा 10बोर्ड का आखिरी पेपर देने गई थी। वारदात को पीड़िता के स्कूल वैन के चालक ने अंजाम दिया। किशोरी को 49 दिन तक जहांगीराबाद थाना क्षेत्र के अहीरपुरा में बंधक बनाकर रखा गया। इस दौरान पीड़िता के साथ कई बार ज्यादती की गई। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने मंगलवार की रात को किशोरी को मुक्त कराया। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। एसआई पवन सेन ने बताया कि 16 वर्षीय किशोरी ईदगाह हिल्स की रहने वाली है। वह शाहजहांनाबाद इलाके के सरकारी स्कूल में 10 वीं कक्षा में पढ़ती है। आरोपी अभिषेक सराठे वैन का चालक है।

रामनवमी उत्सव

गोरखनाथ मंदिर में सीएम योगी ने की मातृ शक्ति की आराधना

कन्याओं के पांव पखारे, आरती उतारी और कराया भोजन

गोरखपुर (एजेंसी)। गोरक्षपीठाधीश्वर ने सबसे पहले कुंवारी कन्याओं के पांव धोये। उनके माथे पर रोली, चंदन, अक्षत आदि का तिलक लगाया। चुनरी ओढ़ाकर एवं दक्षिणा प्रदान कर आशीर्वाद लिया। उन्होंने सभी कुंवारी कन्याओं व बटुकों की श्रद्धाभाव से आरती भी उतारी। पूजन के बाद इन कन्याओं को मंदिर की रसोई में पकाया गया ताजा भोजन प्रसाद योगी ने अपने हाथों से परोसा। कन्याओं के अतिरिक्त बड़ी संख्या में पहुंचे बटुकों को भी श्रद्धापूर्वक भोजन कराकर उपहार व दक्षिणा दिया गया। कन्या पूजन के दौरान सीएम योगी ख्याल रखते रहे कि किसी भी कन्या या बटुक की थाली में भोजन प्रसाद की कोई कमी न रहे। इसे लेकर वह मंदिर की व्यवस्था से जुड़े लोगों को निर्देशित करते रहे। पूजन के दौरान गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ समेत कई लोग उपस्थित रहे। कन्या पूजन के बाद योगी ने प्रदेशवासियों को वासंतिक नवरात्र और श्रीरामनवमी की शुभकामनाएं दीं। योगी ने कहा कि वासंतिक नवरात्र में शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से नवमी की तिथि तक आदिशक्ति मां भगवती के अलग अलग स्वरूपों का अनुष्ठान आज नवदुर्गा स्वरूपा कुंवारी कन्याओं के पूजन के साथ संपन्न हुआ है। नवरात्र प्रकृति और परमात्मा से जुड़ाव की अद्भुत परंपरा है। उन्होंने आदिशक्ति मां भगवती से चराचर जगत के कल्याण की कामना की। वासंतिक नवरात्र की नवमी तिथि पर गोरखनाथ मंदिर में कन्या पूजन का अनुष्ठान पूर्ण करने के बाद मुख्यमंत्री मंदिर परिसर स्थित रामदरबार पहुंचे। उन्होंने पालने में विराजमान प्रभु श्रीराम के बाल स्वरूप के विग्रह की वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा अर्चना की। प्रभु विग्रह को तिलक लगाने और माल्यार्पण करने के बाद आरती उतारी। पूजन का अनुष्ठान पूर्ण करने के साथ सीएम योगी ने बाल स्वरूप भगवान को पालने में झुलाया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने भगवान श्रीराम से लोकमंगल की प्रार्थना की। योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के आदर्श हजारों वर्षों बाद आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने त्रेतायुग में थे। श्रीराम धर्म के साक्षात प्रतीक हैं। मर्यादा के आदर्श हैं। परमात्मा स्वरूप परमपुरुष हैं। हर क्षेत्र में उनके द्वारा स्थापित आदर्श हम सभी को पारिवारिक, सामाजिक और राष्ट्रीय कर्तव्यों के निर्वहन की प्रेरणा देते हैं।

प्रदेश पाती

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर, गुरुवार 18 अप्रैल, 2024

महिलाओं व बच्चों के समग्र विकास के लिये "विशेष अभियान" प्रारम्भ होगा

कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में अभियान की तैयारियों की समीक्षा की

हरदा (निप्र)। महिलाओं एवं बच्चों के समग्र विकास के लिये जिला प्रशासन लोकसभा निर्वाचन के बाद विशेष अभियान प्रारम्भ करेगा। इस अभियान के तहत बच्चों की शिक्षा व स्वास्थ्य तथा महिलाओं के स्वास्थ्य व स्वरोजगार सहित उनके सर्वांगीण विकास की व्यवस्था की जाएगी। अभियान की प्रारंभिक तैयारियों की समीक्षा कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने सोमवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक में विस्तार से की। बैठक में जिला पंचायत के सीईओ श्री रोहित सिसोनिया, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्री संजय त्रिपाठी, जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती पी.एम. सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एच.पी. सिंह, डीपीसी श्री जाटव, एनआरएल के डीपीएम श्री रामनिवास कालेश्वर सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि पहले चरण में लगभग 50 गांव शामिल कर वहां की महिलाओं व बच्चों के लिये शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वरोजगार सहित सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। इस कार्य में जिला प्रशासन शासकीय संसाधनों के साथ-साथ अशासकीय समाज सेवी संगठनों का सहयोग भी लेगा। इससे पूर्व चिन्हित किये गये गांवों में शीघ्र ही विस्तृत सर्वे प्रारम्भ किया जाएगा।

महिलाओं व बच्चों के संबंध में विस्तृत सर्वे कर उनकी समस्याएं चिन्हित की जाएंगी : कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि सर्वे के माध्यम से महिलाओं व बच्चों के कुपोषण, टीकाकरण, पोषण आहार वितरण, शिक्षा की उपलब्धता, प्रसव पूर्व स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्था, महिलाओं को स्वरोजगार की आवश्यकता की जानकारी संकलित की जाएगी। सर्वे के बाद प्रारंभिक चरण 50 गांव चिन्हित किये जायेंगे। इन चिन्हित ग्रामों में गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण, संस्थागत प्रसव की व्यवस्था, कुपोषित महिलाओं का चिन्हांकन व उनके कुपोषण दूर करने के लिये उपाय किये जायेंगे।

गर्भावस्था में ही महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर हाई रिस्क महिलाओं को चिन्हित कर उनके उपचार की विशेष व्यवस्था की जाएगी तथा शासकीय अस्पताल में ही उनके प्रसव की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। बच्चों का टीकाकरण, शिक्षा व पोषण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में कहा कि जन्म के तत्काल बाद से बच्चों का टीकाकरण, पोषण पुर्नवास केन्द्र के माध्यम से उनके कुपोषण का उपचार, आंगनवाड़ी केन्द्रों के माध्यम से बच्चों को पोष्टिक आहार उपलब्ध कराने तथा पूर्व प्राथमिक शिक्षा की व्यवस्था की जाएगी।

बुजुर्ग-दिव्यांग मतदाताओं ने घर से और पत्रकारों ने बैलेट पेपर से किया मतदान

नर्मदापुरम (निप्र)। लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिए नर्मदापुरम जिले में 85 प्लस आयु वर्ग एवं दिव्यांग मतदाताओं की होम वोटिंग अर्थात घर-घर जाकर मतदान दलों द्वारा डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान कराया जा रहा है। सोमवार को 85 प्लस के एवं दिव्यांग मतदाताओं ने उत्साहपूर्वक मतदान कर लोकतंत्र को मजबूत करने में अपनी सक्रिय एवं महती जिम्मेदारी निभाई। सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नीता कोरी ने बताया 179 ऐसे 85 प्लस एवं दिव्यांग मतदाताओं द्वारा होम वोटिंग की सहमति दी गई, जो मतदान केन्द्र तक जाकर मतदान करने में असमर्थ थे। इन मतदाताओं के घर 13 एवं 14 अप्रैल को जाकर मतदान दलों द्वारा डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान कराया गया। बुजुर्ग मतदाता रामरति पाल, सिया दुलारी दुबे आदि व दिव्यांग मतदाताओं में दीपेश सराठे, शेख जायेद आदि द्वारा उत्साहपूर्वक मतदान कर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 17 होशंगाबाद के अंतर्गत नर्मदापुरम जिले के भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा जारी प्राधिकार पत्र प्राप्त पत्रकारों ने सोमवार को शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में बनाए गए पोस्टल वोटिंग सेंटर में पहुंचकर डाक मतपत्र से मतदान किया। यह सुविधा केवल उन पत्रकारों को मिली है जिन्हें निर्वाचन कार्य के लिए कवरेज के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्राधिकार पत्र जारी किया गया है। जिले में 7 पत्रकारों ने डाक मतपत्र से मतदान करने की सहमति भी दी थी।

संक्षिप्त समाचार

पीएम जनमन आवासो का जायजा

विदिशा (निप्र)। पीएम जनमन योजना के तहत चिन्हित सहरिया जनजाति वर्ग के हितग्राहियों को स्वीकृत आवासो के निर्माण कार्यो का आज प्रदेश के पीएम आवास योजना के संचालक श्री केदार सिंह ने भ्रमण कर जायजा लिया। ग्राम बागरी के आजादनगर के रहवासियों हेतु पीएम जनमन आवास योजना के तहत कुल 46 आवास स्वीकृत किए गए है जिसमें से 14 हितग्राहियों के आवासो का निर्माण कार्य क्रियान्वित किया जा रहा है। कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य, जिला पंचायत सीईओ डॉ योगेश भरसट ने पीएम जनमन आवासो के निर्माण कार्यो से संबंधित जानकारियां संचालक श्री सिंह को प्रदाय की है। इस दौरान हितग्राहियों से चर्चा कर आवासो के निर्माण कार्यो की प्रगति व गुणवत्ता की जानकारियां हासिल की गई है। निरीक्षण भ्रमण के दौरान अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, जनपद सीईओ श्री प्रमोद कुमार खरे के अलावा अन्य विभागो के अधिकारी व हितग्राही मौजूद रहें।

103 वर्ष की शतायु मतदाता ने घर से किया मतदान, होम वोटिंग की सुविधा मिलने पर आयोग को दिया धन्यवाद

रायसेन (निप्र)। मैंने अपना कर्तव्य निभाया, अब आप भी अपना कर्तव्य निभाएं। अपनी उंगली पर लगी अमिट स्याही दिखाकर कुछ ऐसा ही संदेश 103 वर्ष की शतायु मतदाता श्रीमती बारी बाई ने युवा मतदाताओं को दिया। गौरतलब है कि 85 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्ग व 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले मतदाताओं को लोकसभा निर्वाचन 2024 में मतदान के लिए मतदान केंद्र न आने पड़े, इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा ऐसे मतदाताओं को स्वेच्छानुसार घर से मतदान करने की सुविधा प्रदान की गई है। इसी सुविधा का लाभ उठाते हुए होशंगाबाद संसदीय क्षेत्र क्रमांक-17 अंतर्गत आने वाले रायसेन जिले के उदयपुरा विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-140 की निवासी श्रीमती बारीबाई 103 वर्ष ने घर से मतदान करने की इच्छा जताई। आवेदन प्राप्त होने पर मतदान दल सक्रियता दिखाते हुए शतायु मतदाता के घर पहुंचा और मतदान कराया। घर से मतदान की सुविधा मिलने पर शतायु मतदाता ने भारत निर्वाचन आयोग का आभार जताकर खुशी व्यक्त की। साथ ही युवा मतदाताओं से लोकतंत्र के महापर्व पर बढ़ चढ़कर मतदान करने का संदेश भी दिया।

स्वतंत्र व निष्पक्ष मतदान के लिये सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें

हरदा (निप्र)। लोकसभा निर्वाचन के लिये सभी मतदाता स्वतंत्र व निष्पक्ष तरीके से मतदान कर सकें, इसके लिये सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। यह निर्देश कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में लोकसभा निर्वाचन के नोडल अधिकारियों की बैठक में उपस्थित अधिकारियों को दिये। उन्होने कहा कि प्रतिदिन मतदाता जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित कर सभी से 7 मई को लोकसभा निर्वाचन के लिये मतदान करने की अपील की जाए। बैठक में संयुक्त कलेक्टर सुश्री रजनी वर्मा तथा डिप्टी कलेक्टर श्री संजीव नागू सहित लोकसभा निर्वाचन के अन्य नोडल अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में निर्देश दिये कि वृद्ध एवं दिव्यांग मतदाताओं को मतदान में कोई परेशानी न आये, इसके लिये सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जाएं। बैठक में उन्होने कहा कि सभी मतदाताओं को मतदाता पर्ची व्यवस्थित तरीके से वितरित करा दी जाएं। कलेक्टर श्री सिंह ने जिला परिवहन अधिकारी को मतदान दलों को मतदान केन्द्र तक ले जाने व वापस लाने के लिये पर्याप्त संख्या में वाहनों का अधिग्रहण करने के निर्देश भी दिये।

सभी विभाग ए ग्रेड सूची में शामिल हो

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने सोमवार को लंबित आवेदनों की समीक्षा की। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन के तहत दर्ज आवेदनों के निराकरण मामलो में तेजी लाने के निर्देश संबंधित विभागो के जिलाधिकारियों को दिए है। कलेक्टर श्री वैद्य ने सीएम हेल्पलाइन के मामलो में जिले के सभी विभागो को स्पष्ट निर्देश दिए है कि ए ग्रेड सूची में जो विभाग शामिल नहीं रहेगा उस विभाग के जिलाधिकारी के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने संतुष्टि से प्रकरणो के निराकरण मामलो में पचास प्रतिशत अनिवार्य हो। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन फायनल रैकिंग सूची जारी होने से पहले विदिशा जिला प्रदेश के टॉप फाइव जिलो में शामिल रहता है किन्तु रैकिंग तिथि के दिन सात-आठ से नीचे हो जाता है अतः सभी विभागो के जिलाधिकारी विभागीय ग्रेडिंग सूची में सुधार लाए ताकि जिला अपने आप प्रदेश में अव्वल हो जाए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन के दौरान लंबित आवेदनों के निराकरण के लिए इसे विशेष अवसर के रूप में क्रियान्वयन करें। उन्होंने कहा कि ऐसे आवेदन जो मांग, बजट से संबंधित है उन आवेदनों को फोर्सक्लोज कराने की कार्यवाही की जाए। वहीं ऐसे आवेदन जिनका निराकरण प्रदेश स्तर पर संभव है उन आवेदनों में डीओ लेटर सहित निराकरण की निहित बिन्दुओं व कारणो का स्पष्ट उल्लेख कर विभाग प्रमुख को प्रेषित किए जाए ताकि समय सीमा में सम्पूर्ण कार्यवाही होकर प्रकरण निराकृत हो सकें। कलेक्टर श्री वैद्य ने प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत दर्ज आवेदनों के निराकरण मामलो की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि योजनाओं की मंशा के अनुरूप जिले में चिन्हित सहरिया जनजाति वर्ग के नागरिकों को शत प्रतिशत लाभांवित किया जाना है अतः क्रियान्वयन मामलो में किसी भी प्रकार से चूक ना हो। कलेक्टर श्री वैद्य ने कहा कि अनेक विभागो की साप्ताहिक प्रगति शून्य परलिक्षित हो रही है। इससे यह प्रतीत होता है कि संबंधित विभाग के जिलाधिकारी के साथ-साथ खण्ड व ग्राम स्तरीय अधिकारी, कर्मचारियों के द्वारा भी आवेदनों के निराकरण मामलो में रूचि नहीं ली गई है। यह अच्छी बात नही है उन्होंने ऐसे विभागों के जिलाधिकारियों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि कठोर व दण्डात्मक कार्यवाही से बचना है तो प्रगति हासिल करना अनिवार्य है। कलेक्टर श्री वैद्य ने लोकसभा निर्वाचन के मद्देनजर क्रियान्वित कार्यो की भी इस दौरान समीक्षा की। उन्होंने कहा कि आयोग द्वारा जिन विषयों पर जानकारियां चाही जाती है वे समय सीमा में पहुंचाया जाना सुनिश्चित करें। निर्वाचन के किसी भी कार्य में ना तो स्वंय विलम्ब करें ना किसी के द्वारा होने दें। निर्वाचन कार्यो के क्रियान्वयन में कहीं कोई दिक्कत आती है तो निःसंकोच जिला कार्यालय से सम्पर्क कर उसका समाधान प्राप्त करें। कलेक्टर श्री वैद्य ने जिला व वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से खण्ड स्तरीय अधिकारियों से कहा कि एफएसटी, व्हीएसटी के द्वारा अब सधन जांच पड़ताल की जाए। उन्होंने जिले की सीमा में किसी भी प्रकार के अनैतिक गतिविधियां ना होने पाए वहीं किसी भी प्रकार से प्रतिबंधित सामग्री का परिवहन ना हो पाए इसके लिए चैकिंयो पर सघन जांच पड़ताल हो। जांच पडताल से संबंधित सम्पूर्ण कार्यवाही की वीडियो रिकार्डिग अनिवार्य रूप से कराई जाए। उन्होंने आयोग को प्रेषित किए जाने वाले विभिन्न पत्रों के संबंध में भी आवश्यक मार्गदर्शन दिया है। कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने कहा कि लोकसभा निर्वाचन की सामग्री का वितरण जिन स्थलों से किया जाना है इसके लिए संबंधित स्ट्रांगरूमों में ईव्हीएम मशीन रखने से पूर्व मरम्मत संबंधी सम्पूर्ण कार्य निर्वाचन आयोग की गाइड लाइन के अनुसार पूरा कराया जाना सुनिश्चित हो। ततसंबंध में उन्होंने सभी एसडीएम व सहायक रिटर्निंग आफीसर को आवश्यक दिशा निर्देश दिए है। जिला पंचायत सीईओ व स्वीप के जिला नोडल अधिकारी डॉ योगेश भरसट ने कहा कि लोकसभा निर्वाचन में सभी मतदाता अपने मतो का उपयोग मतदान केन्द्रो पर करें इसके लिए शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में मतदाता जागरूकता संबंधी तमाम कार्य किए जा रहे है। उन्होंने कहा कि विधानसभा निर्वाचन में जिस प्रकार मतदाताओ की रूचि मतदान में रही है ठीक वैसे ही लोकसभा की मतदान तिथि सात मई को परलिक्षित हो इसके लिए मतदाता जागरूकता कार्यक्रम हर स्तर पर लगातार आयोजित हो। उन्होंने कहा कि बीएलओ स्तर पर विधानसभावार समीक्षा बैठके आयोजित की जा रही है ताकि ऐसे मतदान केन्द्र जहां 90 प्रतिशत से अधिक मतदान पूर्व के चुनाव में हुआ है उन मतदान केन्द्रो पर सौ प्रतिशत मतदान हो ताकि विदिशा जिला के मतदान केन्द्र शत प्रतिशत मतदान केन्द्रो की सूची में शामिल हो सकें। इस दौरान बतलाया गया कि शुक्रवार सिरोंज और शमशाबाद विधानसभा क्षेत्र की बीएलओ की बैठके आयोजित की जाएगी इन बैठको में कलेक्टर स्वंय शामिल होंगे और बीएलओ को मॉटिवेंट करेंगे कि अधिक से अधिक मतदान हो सकें।

प्रशिक्षण

सीएम हेल्पलाइन के आवेदनों के निराकरण मामलो में दर्ज की जाने वाली जानकारी व पोर्टल से अपडेट रहने के संबंध में शिक्षा, स्वास्थ्य व नगरपालिका अधिकारियों के लिए कलेक्टेउट के ई दक्ष केन्द्र में आगामी दो दिवस में उपस्थित होकर प्रशिक्षण प्राप्त करने के निर्देश दिए गए है। कलेक्टेउट के बेतवा सभागार में सम्पन्न हुई इस बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती मोहिनी शर्मा, संयुक्त कलेक्टर द्वय श्रीमती शशि मिश्रा, श्री विनीत तिवारी, डिप्टी कलेक्टर श्री संतोष बिटौलिया के अलावा समस्त विभागो के जिलाधिकारी तथा विदिशा एसडीएम श्री क्षितिज शर्मा मौजूद रहें जबकि अन्य एसडीएम व खण्ड स्तरीय अधिकारियों से वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से संवाद किया गया है।

स्वीप गतिविधि अंतर्गत मतदान का संदेश देने आंगनवाड़ी केन्द्रों में हुआ सास-बहू सम्मेलन

विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले में लोकसभा निर्वाचन 2024 में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से आज कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बुद्धेश कुमार वैद्य के मार्गदर्शन तथा जिला पंचायत सीईओ व स्वीप के जिला नोडल अधिकारी डॉक्टर योगेश भरसट के निर्देशन में जिले की पांचो विधानसभाओं के विभिन्न मतदान केन्द्रों में सास-बहू सम्मेलन कार्यक्रम आयोजन के माध्यम से मतदाता जागरूकता के संदेशों का प्रसारण किया गया है, खासकर महिला मतदाता शत प्रतिशत मतदान करें पर बल दिया गया है। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिले के विभिन्न आंगनबाड़ी केन्द्रों में सास-बहू सम्मेलन कार्यक्रमों का आयोजन कर मतदान करने के संदेशों का प्रसारण कार्य किया गया है। जिले के विभिन्न मतदान केन्द्रों में महिलाओं द्वारा सास बहू सम्मेलन कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम जैसे रंगोली , मेहंदी प्रतियोगिता समेत संगीतमय कार्यक्रमों के माध्यम से मतदान दिवस 7 मई 2024 को नियत मतदान केंद्र पहुंचकर मतदाताओं को शत प्रतिशत मतदान करने का संदेश दिया गया है। सास-बहू सम्मेलन कार्यक्रम अंतर्गत लोकतंत्र हम सब की जिम्मेदारी समेत मतदाता जागरूकता आधारित अन्य स्लोगन बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए जिले के समस्त नगरीय क्षेत्र के साथ-साथ ग्राम पंचायत कांचरोद, नटेरन, आंगनबाड़ी केंद्र सीहोरा, केशवपुर, गुलरखेड़ी, लाला खेड़ी, दैलाखेड़ी, खामखेड़ा कस्बा, दुधावरी समेत जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों के आंगनबाड़ी केन्द्रों में विविध प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन कर मतदान करने का संदेश दिया गया है। जिले में हुए सास-बहू सम्मेलन कार्यक्रम में आंगनवाड़ी क्षेत्र अंतर्गत आने वाली सास-बहूएं शामिल हुई है। सास-बहू सम्मेलन कार्यक्रम के दौरान महिलाओं द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्रों में मतदाता जागरूकता का संदेश देने के लिए विभिन्न प्रकार की आकर्षक साज-सज्जा व रंगोली सजाई गई थी।

अभ्यर्थियों द्वारा किए जा रहे सभी निर्वाचन व्ययों की निगरानी कर उनके व्यय लेखा में जोड़ें- व्यय प्रेक्षक जैन

रायसेन (निप्र)। लोकसभा आम निर्वाचन-2024 हेतु भारत निर्वाचन आयोग द्वारा संसदीय क्षेत्र 18-विदिशा के लिए नियुक्त व्यय प्रेक्षक आईआरएस श्री मेहुल भारत जैन ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में निर्वाचन व्यय लेखा संबंधी कार्यवाहियों की विस्तृत समीक्षा की। व्यय प्रेक्षक श्री जैन ने विदिशा संसदीय क्षेत्र में शामिल आठों विधानसभाओं में एसएसटी, एफएसटी, व्हीएसटी तथा व्हीव्हीटी टीमों द्वारा अभी तक की गई कार्यवाहियों की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि अभ्यर्थियों के निर्वाचन व्यय पर गहन निगरानी रखी जाए। व्यय प्रेक्षक को कलेक्टर एवं रिटर्निंग अधिकारी श्री अरविंद दुबे द्वारा विदिशा संसदीय क्षेत्र में निर्वाचन संबंधी तैयारियों तथा कार्यो से अवगत कराया गया। व्यय प्रेक्षक श्री जैन ने सहायक रिटर्निंग अधिकारियों, व्यय लेखा टीम तथा संबंधित अधिकारियों से कहा कि सभी पूरी क्षमता और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। सम्पूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान पारदर्शिता का विशेष ध्यान रखें। निर्वाचन अभ्यर्थियों द्वारा सभाओं, रैली आदि प्रचार-प्रसार संबंधी गतिविधियां की जा रहीं हैं, उनकी अनुमति ली गई है या नहीं।

इसकी जांच करें। इस प्रकार के आयोजनों की व्हीव्हीटी टीम द्वारा पूरी वीडियो रिकार्डिंग की जाए तथा निर्वाचन व्यय का आकलन कर नियमानुसार कार्यवाही करें। उन्होंने निर्वाचन की प्रक्रिया के दौरान बड़ी मात्रा में नकदी, बहुमूल्य धातुओं और निषिद्ध वस्तुओं के परिवहन को रोकने चेक पोस्ट पर वाहनों की सघन तलाशी लेने के निर्देश दिए। इसके साथ ही अभ्यर्थियों के सोशल मीडिया एकाउण्ट्स की भी मॉनीटरिंग के लिए कहा। कलेक्टर एवं रिटर्निंग अधिकारी श्री दुबे द्वारा सभी सहायक रिटर्निंग अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए। विदिशा संसदीय क्षेत्र में एफएसटी, एसएसटी टीमों द्वारा की जा रही कार्रवाईयों के बारे में जानकारी दी गई कि सिलवानी विधानसभा क्षेत्र में अभी एक लाख 16 हजार रू की नगदी तथा भोजपुर विधानसभा क्षेत्र में 17 लाख रू की नगदी जप्त की गई है। विधानसभा क्षेत्र विदिशा में अभी तक 18 लाख रू से अधिक मूल्य की मदिरा जप्त की गई है। विधानसभा क्षेत्र बासौदा में दो लाख 50 हजार रू की मदिरा जप्त की गई है। बुधनी और इछावर विधानसभा में कोई जप्ती नहीं की गई है। खातेगांव विधानसभा में 10 लाख रू से अधिक मूल्य की मदिरा जप्त की गई है। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला पंचायत सीईओ एवं सांची विधानसभा की सहायक रिटर्निंग अधिकारी श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मुकेश सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कमलेश कुमार, जिला कोषालय अधिकारी श्री आरके गुप्ता सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सिवनीमालवा में नहर में पैर बंधे मिली लाश की पहचान: इटारसी से लापता था मृतक

हत्या की आशंका

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले के सिवनीमालवा में सूरजपुर के पास बड़ी नहर में मिली लाश की पहचान हो गई। मृतक की पहचान सनखेड़ा नाका पुरानी इटारसी निवासी अमृतलाल चौरे (45) के रूप में हुई। मृतक 14 अप्रैल की शाम से लापता था। उनकी गुमशुदगी की रिपोर्ट परिजन ने इटारसी थाने में कराई थी। सोमवार शाम को उनकी लाश सूरजपुर के पास बड़ी नहर में मिली। जिसके दोनों पैर बंधे मिले।

लाश की सूचना से सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही एसडीओपी, थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को पानी से बाहर निकला। प्रारंभिक जांच में व्यक्ति की हत्या कर शव को नहर में फेंके जाने का अंदेशा लगाया जा रहा है। हालांकि पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही कुछ कहने की बात कर रहीं। शव को रात में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रखवा दिया था। पुलिस ने इटारसी, पथरौटा, डोलरिया थाने में व्यक्ति के बारे में पता किया। इटारसी थाने में मृतक के गुमसुदगी का पता चला। जिसके बाद पुलिस ने परिजन से संपर्क किया। सिवनी मालवा टीआई उषा मरावी ने बताया शव को नहर से बाहर निकाल देखा तो उसके दोनों पैर बंधे हुए थे। मृतक की फोटो आसपास के थानों में भी भेजी गई है। इटारसी के अमृतलाल चौरे के रूप में उसकी पहचान हुई। दोनों पैर बंधे मिले है। इस प्रकार से कोई सुसाइड तो नहीं करता है। हत्या की आशंका है। फ़िलहाल पोस्टमार्टम के बाद स्थिति स्पष्ट होगी। हर एंगल पर जांच कर रहे है।

टाटा स्काय का काम करता था मृतक

पुलिस के मुताबिक मृतक अमृतलाल चौरे परिवार में दो बेटे और पत्नी है। वो इटारसी में टाटा स्काय काम करते थे। पुलिस जांच नें पता कर रहीं हैं कि कहीं उन्हें किसी ने पैर बांधकर तो नहीं फेंका। अगर हत्या हुई है तो क्यों और किस लिए की गई। इसका पुलिस पता लगा रहीं हैं।

होशंगाबाद संसदीय क्षेत्र अंतर्गत 85 प्लस आयु वर्ग एवं दिव्यांग मतदाताओं ने घर से ही किया मतदान

नर्मदापुरम (निप्र)। लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुसार एवं कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सोनिया मीना के निर्देशों के परिपालन में संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 17 होशंगाबाद में 85 प्लस आयु वर्ग एवं दिव्यांग मतदाताओं की होम वोटिंग अर्थात घर-घर जाकर मतदान दलों द्वारा डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान कराया गया। 85 प्लस के एवं दिव्यांग मतदाताओं ने उत्साहपूर्वक मतदान कर लोकतंत्र को मजबूत करने में अपनी सक्रिय एवं महती जिम्मेदारी निभाई। सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी 137-होशंगाबाद ने उक्त जानकारी देते हुए बताया है कि विधानसभा क्षेत्र-137 होशंगाबाद अंतर्गत कुल 179 ऐसे 85 प्लस एवं दिव्यांग मतदाताओं द्वारा होम वोटिंग की सहमति दी गई जो मतदान केन्द्र तक जाकर मतदान करने में असमर्थ थे। इन मतदाताओं के घर 13 एवं 14 अप्रैल को जाकर मतदान दलों द्वारा डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान कराया गया। बताया गया कि 85 प्लस आयु वर्ग के मतदाता श्रीमती रामरति पाल, श्रीमती सिया दुलारी दुबे आदि तथा दिव्यांग मतदाताओं में श्री दीपेश सराठे, श्री शेख जायेद आदि द्वारा उत्साहपूर्वक मतदान कर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। विधानसभा 137-होशंगाबाद के कुल 179 दिव्यांग एवं 85 प्लस के मतदाताओं ने घर बैठे ही मतदान किया। विधानसभा 136 सिवनीमालवा अंतर्गत डोलरिया की 87 वर्षीय तिजीला बाई, बीसारोडा की 86 वर्षीय रामेती बाई एवं 87 वर्षीय बुल्को बाई, 92 वर्षीय मिसरोद की सुन्दर बाई बामने तथा 92 वर्षीय तुलाराम गौर एवं, डोलरिया की 88 वर्षीय राजकुमारी बाई एवं 87 वर्षीय कंचन बाई ने घर बैठे ही मतदान की सुविधा का लाभ लिया। वहीं बम्मनगांव कलां की दिव्यांग आकांक्षा पिता रामाधार उम्र 19 वर्ष नें भी घर से ही मतदान किया।

सर्विस रोड चौड़ीकरण के लिए निगम से नहीं मिला कोई प्रस्ताव

इंदौर। नगर निगम इस साल से बायपास की सर्विस रोड के चौड़ीकरण की तैयारी जरूर शुरू कर रहा है, लेकिन अब तक इस बारे में निगम की ओर से एनएचएआई (नेशनल हाईवेज अथॉरिटी आफ इंडिया) को कोई औपचारिक प्रस्ताव नहीं मिला है। निगम को सडक़ चौड़ीकरण से पहले एनएचएआई से विधिवत रूप से रोड का हस्तांतरण कराना होगा। उसी के बाद वह काम कर सकेगा। राज्य सरकार से मिले विशेष फंड से नगर निगम ने बायपास की सर्विस रोड को टू लेन से फोर लेन में बदलने की योजना बनाई है।हालांकि, सर्विस रोड का एक तरफ का कुछ हिस्सा निगम पहले ही एनएचएआई से ले चुका है। राऊ सर्कल से एमआर-10 जंक्शन की ओर नर्मदा तृतीय चरण की लाइन बिछाने के लिए यह प्रक्रिया कुछ साल पहले पूरी की गई थी। उसके अलावा आगे बाईपास के टोल प्लाजा और टोल प्लाजा से राऊ तक के पूरे हिस्से का रखरखाव अभी एनएचएआई के अधीन है। मुख्यालय भेजना पड़ेगा प्रस्ताव सूत्रों ने बताया कि जब भी निगम की ओर से सर्विस रोड का हस्तांतरण का प्रस्ताव मिलेगा, उसकी औपचारिक मंजूरी के लिए एनएचएआई के मुख्यालय भेजना पड़ेगा। वहां से अनुमति मिलने पर सर्विस रोड नगर निगम को सौंप दी जाएगी। यदि निगम जल्द यह प्रस्ताव भेज देगा, तो यह प्रक्रिया जल्द शुरू की जा सकती है।

फ्लैट में चल रहा था आईपीएल का सट्टा, दो आरोपी गिरफ्तार, सात मोबाइल फोन, लैपटॉप जब्त

इंदौर। क्राइम ब्रांच और एमजी रोड पुलिस ने मंगलवार देर रात स्नेहलतागंज के एक फ्लैट में आईपीएल क्रिकेट मैच का सट्टा खाते दो लोगों को गिरफ्तार किया। इनसे सात मोबाइल और लाखों का हिसाब मिला है। एडीसीपी क्राइम राजेश दंडोतिया को मुखबिर से सूचना मिली थी कि स्नेहलतागंज में महालक्ष्मी पैलेस बिल्डिंग के फ्लैट नंबर 508 में राजस्थान रॉयल और कोलकाता नाइट राइडर्स के मैच पर ऑनलाइन सट्टा खाया जा रहा है। इस पर एमजी रोड पुलिस के साथ क्राइम ब्रांच ने फ्लैट पर छापा मारा। पुलिस ने यहां से राजेंद्र पिता बंसीलाल दुबे निवासी सागर और अमित पिता सुरेश गुप्ता निवासी एलआईजी को पकड़ा। पुलिस ने आरोपियों के पास से सात मोबाइल फोन, सिम, लैपटॉप और अन्य सामान जब्त किया है। यह फ्लैट किसी और व्यक्ति के नाम पर लिया गया था। पुलिस का कहना है कि यदि किराएदार की जानकारी थाने पर नहीं दी गई होगी तो मकान मालिक के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

कुओं की देखरेख के लिए बनने वाली मोहल्ला कमेटी अधर में

इंदौर। पिछले साल रामनवमी को साधु वासवानी नगर में हुए दर्दनाक हादसे में बावड़ी धंसने से 36 लोग काल के गाल में समा गए थे। इतने बड़े घटनाक्रम के बाद भी नगर निगम का अमला अब तक नहीं जागा है। कई कुएं-बावडिय़ां जीर्ण-शीर्ण हालत में हैं, जिन्हें न तो बंद किया जा रहा है और न ही संवारा जा रहा है। नगर निगम जल संरक्षण के लिए तमाम अभियान चलाया जा रहा है और रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने के लिए गली-मोहल्लों में निगम की टीमें पहुंच रही हैं, लेकिन दूसरी ओर शहर के 595 कुएं-बावडिय़ों की हालत खस्ता है। इनमें 53 बावडिय़ों में से अधिकांश कचरे के ढेर और मलबे में तब्दील हो गई हैं। साधु वासवानी नगर में हुए हादसे के बाद नगर निगम के अफसरों ने आनन-फानन में कई कुएं बंद कर दिए थे और बाद में हंगामा मचने पर ढंके गए कुओं को फिर खोला गया। इनमें राजकुमार ब्रिज के समीप का कुआं सबसे बड़ा उदाहरण है, जो सडक़ किनारे था और निगम की टीम ने उसे बंद कर दिया था। अभी भी चंपा बावड़ी से लेकर छत्रियों के आसपास की कई बावडिय़ां बदहाल हैं। न तो वहां बावड़ी के सूचना बोर्ड हैं और न ही सावधानी वाले बोर्ड लगाए गए हैं, ताकि लोगों को इसकी जानकारी मिल सके। नगर निगम के रिकार्ड में शहर में 595 कुएं-बावड़ी हैं और इनमें कई बावडिय़ां होलकरकालीन हैं, जिनमें छत्रीबाग की बावडिय़ां भी शामिल हैं। यह बावडिय़ां अब कचरे के ढेर और मलबे में तब्दील हो गई हैं। कुछ सालों पहले नगर निगम ने लाखों की राशि खर्च कर बावडिय़ों और कुओं को संवारा था, लेकिन रखरखाव के अभाव में फिर से स्थिति बदहाल हो गई है। नगर निगम अधिकारियों ने शहरभर के कुओं के रखरखाव और उनके पानी के उपयोग के लिए कुछ योजनाएं बनाई थीं, जो कागजों में दबी रह गईं। योजना के मुताबिक प्रत्येक क्षेत्र के कुओं के लिए मोहल्लों के रहवासियों की दस सदस्यीय कमेटी बनाई जाना थी और इस कमेटी के माध्यम से ही कुओं की देखरेख का काम होना था, मगर दो साल बाद भी इस पर कोई काम नहीं हुआ और उलटा कुओं की हालत पहले से ज्यादा और बदहाल हो गई।बावडिय़ां खतरनाक हालत में, ऊपर तक कचरे का अंबार शहर की 53 बावडिय़ों में से अधिकांश बावडिय़ों की हालत खस्ता है और कई तो जीर्ण-शीर्ण हो रही हैं। कुछ बावडिय़ों में कचरे और मलबे का अंबार इस प्रकार लगा है कि वहां किसी को आभास भी नहीं होता कि वह बावड़ी है और किसी भी दिन कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है। कुछ समय पहले चंपा बावड़ी, छत्रीबाग, कृष्णपुरा और पीलियाखाल सहित कई स्थानों की बावडिय़ों की सफाई की गई थी और बाद में फिर से स्थिति बदतर हो गई।

वोटर आईडी के बिना भी कर सकते हैं मतदान

इंदौर। लोकसभा चुनाव आ गए हैं और मतदाता अपने वोटर आईडी के माध्यम से देश की नई सरकार चुनने वाले हैं। इस मौके पर प्रशासन भी लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि वोटर आईडी के बिना भी मतदान किया जा सकता है। यदि किसी परिस्थित में वोटर आईडी आपके पास नहीं है तो 12 तरह के दस्तावेजों को निर्वाचन आयोग ने अनुमति दी है। इन दस्तावेज से आप मतदान कर सकते हैं। आयोग द्वारा लोकसभा निर्वाचन 2024 के अंतर्गत मतदान करने के संबंध में मतदाता की पहचान के लिए मतदाता परिचय पत्र के अलावा ई-मतदाता परिचय पत्र, आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, बैंक, पोस्ट ऑफिस की फोटो सहित पासबुक, श्रम मंत्रालय के अंतर्गत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, ड्रायविंग लायसेंस, पेन कार्ड, श्रम मंत्रालय की योजना के अंतर्गत जारी स्मार्ट कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटोग्राफ सहित पेंशन दस्तावेज, केंद्र शासन, राज्य शासन, पीएसयूस और पब्लिक लिमिटेड कंपनी द्वारा जारी फोटोग्राफ सहित सर्विस पहचान कार्ड और एमपी, एमएलए व एमएलसी द्वारा जारी सरकारी पहचान पत्र निर्धारित किए गए।

दिलीप बारगल स्मृति इंदौर जिला मिनी सब जूनियर बैडमिंटन स्पर्धा विजेता कर्णिक पुरस्कार के हकदार भी

इंदौर। 20 अप्रैल से होनेवाली 14वीं केप्टन दिलीप बारगल स्मृति इंदौर जिला मिनी-सब जूनियर बैडमिंटन स्पर्धा के 11, 13 और 15 वर्ष बालक और बालिका एकल विजेता खिलाड़ी कर्णिक पुरस्कार के हकदार होंगे। कर्णिक स्मृति समिति इंदौर के सचिव धर्मेश यशलहा ने बताया कि इस स्पर्धा के एकल विजेता खिलाड़ियों को वर्ष 2025 में कर्णिक पुरस्कार मिलेगा। कर्णिक पुरस्कार में प्रति वर्ष नकद सम्मान राशि प्रदान की जाती है। स्पर्धा सचिव अनिल बारगल ने बताया कि इंदौर जिला बैडमिंटन संगठन तहत मल्हार क्रीड़ा मंडल ने यह स्पर्धा 20 से 23 अप्रैल तक मल्हार क्रीड़ा मंडल, उषा नगर एक्सटेंशन में आयोजित की है। स्पर्धा के लिए प्रविष्टियां 18 अप्रैल तक दी जा सकती हैं।

टोल प्लाजा तोड़कर कंपनी बनाएगी नई सड़क, हजारों लोगों की राह होगी आसान

इंदौर। एमआर-10 टोल प्लाजा का संचालन बंद होने के बाद अब इसकी इमारत को हटाया जाएगा। कंपनी टोल प्लाजा की इमारत को हटाने के साथ ही सड़क और अन्य सुंदरीकरण कार्य भी करेगी। कंपनी को एमआर 10 स्थित रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) की जांच रिपोर्ट भी देना होगी। आरओबी की मजबूती की जांच आइआइटी या एसजीएसआईटीएस के विशेषज्ञ द्वारा कराई जाएगी। यदि आरओबी में किसी तरह की टूट-फूट हुई है तो उसे सुधार भी कंपनी को करना होगा।इंदौर विकास प्राधिकरण (आइडीए) ने एमआर 10 टोल बंद कराने के साथ ही टोल का संचालन करने वाली प्रकाश एस्फालिटंग एंड टोल हाईवेज इंडिया को 22 कार्य पूरे करने के लिए पत्र लिखा है। इसमें टोल की इमारत को हटाने के साथ ही सड़क निर्माण कार्य करने होंगे। एमआर 10 आरओबी की स्ट्रक्चर रिपोर्ट रिपोर्ट भी कंपनी देगी। इसमें प्राइवेट एजेंसी से आरओबी की मजबूती का सर्वे कंपनी कराकर देगी। गौरतलब है कि टोल का संचालन 17 साल पहले 2007 में शुरू हुआ था। 6101 दिन टोल की वसूली होना थी। कंपनी को आइडीए ने 86 दिन अतिरिक्त वसूली का समय दिया था, जो 14 अप्रैल को समाप्त हो गया। आइडीए ने टोल का संचालन बंद करा दिया है। शहरी सीमा में संचालित हो रहे एमआर 10 टोल के कारण आए दिन जाम की स्थिति निर्मित होती थी। यहां शहरी वाहनों से टोल वसूली पूरी तरह से बंद होने के बाद भी कई बार जाम लग जाता था। इसके हटने से सैकड़ों कालोनियों के रहवासियों और उज्जैन जाने वालों की राह आसान होगी।बिना किसी बाधा के वाहनों का आना जाना हो सकेगा।

- 2007 में शुरू हुआ था संचालन
- 6101 दिन होनी थी टोल वसूली
- 86 दिन का अतिरिक्त वसूली का दिया समय
- 14 अप्रैल से टोल वसूली बंद

इन बिंदुओं पर लिखा पत्र

- आरओबी की मजबूती की जांच कंसल्टेंट एजेंसी से कराना होगी
- आइआइटी या एसजीएसआईटीएस के विशेषज्ञों से कराना होगा इंस्पेक्शन
- आरओबी के प्रत्येक जोड़ की जांच रिपोर्ट देना होगी
- साइड रेलिंग रिपेयर करनी होगी
- सभी स्ट्रक्चर पार्ट की मजबूती की जांच होगी

नियमों का पालन नहीं होने पर नवनीत प्लाजा, फॉर्चून ओरा बिल्डिंग को किया सील

इंदौर। फायर सुरक्षा संबंधित इंतजामों के अधूरा होने पर बुधवार को जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पलासिया स्थित नवनीत प्लाजा को सील कर दिया। फायर सेफ्टी की जांच के दौरान नवनीत प्लाजा में कई अनियमितताएं मिली थी। सोसायटी को पहले नोटिस देकर फायर सेफ्टी नॉर्म्स को दुरुस्त करने का समय दिया था। इसके बाद भी व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया था। इस कारण नवनीत प्लाजा को सील कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि प्रशासन ने मंगलवार को भी कई जगह कार्रवाई की थी और आगे भी कई और बिल्डिंग पर भी कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले मंगलवार को जिला प्रशासन की टीम ने कैलोद करताल में संचालित होटल रायल इम्पेरिया को सील किया। चार मंजिला होटल में सेंट्रलाइज फायर सुरक्षा इंतजाम नहीं था। होटल में इसके लिए होज रील पाइप कनेक्शन भी नहीं लगाए गए। होटल संचालक ने फायर एनओसी भी नहीं ली। एसडीएम कल्याणी पांडे के मुताबिक पूर्व में इस होटल का निरीक्षण किया गया था, जिसमें अग्नि सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं थी। 28 मार्च को होटल प्रबंधन को नोटिस भी जारी किया गया था। इसके बाद मंगलवार को दोबारा होटल की जांच की। इसमें पाया गया कि पूर्व में होटल में हो एक्सपायर अग्निशमन यंत्र थे, उन्हें तो बदला गया लेकिन सेंट्रलाइज फायर सुरक्षा सिस्टम नहीं लगाया गया। होटल में रूफटॉप रेस्त्रां भी संचालित हो रहा था। होटल में रुके लोगों को अन्य स्थानों पर शिफ्ट किया गया। प्रशासन की टीम ने विजय नगर चौराहे के पास स्कीम नंबर 54 पर निर्मित मंगल सिटी माल का निरीक्षण किया। यहां पर संचालित हो रहे स्काई हाउस बार रेस्टोरेंट एवं म्यूनिसिपल लाउंज बार रेस्टोरेंट को नियमों के विपरीत होने पर सील किया गया। मल्हारगंज एसडीएम ओम नारायण बडकुल ने बताया कि बिना भवन अनुज्ञा एवं फायर सेफ्टी प्रोटोकाल का पालन नहीं होने पर दोनों पर कार्रवाई की गई। दोनों को पहले भी नोटिस जारी किया गया था। कार्रवाई में तहसीलदार शैवाल सिंह, थाना प्रभारी सीबी सिंह, नगर निगम की टीम मौजूद रही।

आइटी पार्क में शुरू होगा उद्योग मित्र कार्यालय, विकास योजना के लिए सम्पन्न हुई बैठक

इंदौर। इंदौर की विकास योजना के लिए मंगलवार को एमपीआईडीसी (मप्र औद्योगिक विकास निगम) परिसर में बैठक हुई। इसमें अलग-अलग औद्योगिक क्षेत्र के प्रतिनिधि, विभागीय अफसर आदि मौजूद थे। इसमें इंदौर के औद्योगिक विकास योजना को लेकर कई सुझाव भी आए। सबसे प्रमुख सुझाव यह है कि इंदौर मास्टर प्लान की जगह रीजनल प्लान बनाया जाए, जिसमें इंदौर के साथ पीथमपुर, देवास, उज्जैन को भी शामिल किया जाएगा। बैठक में कलेक्टर आशीष सिंह मौजूद थे।एमपीआइडीसी क्षेत्रीय कार्यकारी अधिकारी सपना जैन ने बताया कि इंदौर के भविष्य की योजना को लेकर बैठक आयोजित की गई थी। इसमें ई-कॉमर्स यूनिट, गारमेंट यूनिट, बिग आइटी कंपनी, नए आइटी पार्क योजना आदि को लेकर चर्चा की गई। बैठक में औद्योगिक संगठनों से जुड़े पदाधिकारियों ने भी अपने सुझाव दिए है। जो सुझाव आए हैं, उन पर काम शुरू किया जा रहा है। इसमें एमपीआईडीसी के अलावा प्रशासन, एनएचएआई, आइडीए, टाउन एंड कंट्री आदि विभाग का सहयोग भी लिया जाएगा। इसके दो माह बाद दोबारा बैठक आयोजित की जाएगी।सुझाव को अमल में लाएंगे कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि बैठक में मुख्य रूप से औद्योगिक क्षेत्र में जो अलग-अलग निवेश और विकास है, उसे विस्तार देने को लेकर चर्चा की गई। ताकि इंदौर के विकास को नए आयाम तक पहुंचाया जा सकें। कई सुझाव आए है, जिसमें एयर कनेक्टिविटी बढ़ाने, पूर्वी और पश्चिमी रिंग रोड पर इंडस्ट्रियल क्लस्टर, डेडिकेटेड टाउनशिप तैयार की जाए। मास्टर प्लान इंदौर शहर तक समिति रहता है, इसका विस्तार करते हुए रीजनल विकास योजना बनाई जाए, जिसमें पीथमपुर, उज्जैन, देवास को इसमें शामिल किया जाए। जल्द इन सुझावों पर काम करना शुरू कर देंगे।

यह बोले उद्योगपति

एआइएमपी अध्यक्ष योगेश मेहता ने बताया कि मास्टर प्लान में प्रस्तावित शहर की प्रमुख सड़कों की भूमि को पहले सुरक्षित किया जाए। अभी जहां मेजर सड़के प्रस्तावित है, वे ज्यादातर क्षेत्र सरकारी कांकड़ वाली भूमि पर है। देखा जा रहा है कि इन सभी पर अतिक्रमण है। दो-चार झोपड़ियां या गुमटियां आगे लग जाती है, जो पीछे 100 एकड़ की जमीन का रास्ता बाधित कर रही है। अभी से जमीनों को संरक्षित कर अतिक्रमण से मुक्त किया जाए। वर्ना आगे मास्टर प्लान पर अमल मुश्किल हो जाएगा।

उद्योगपतियों ने यह भी सुझाव दिया कि आउटर रिंग रोड से जहां-जहां शहर की एंट्री प्लान में दी गई है, वहां पर छोटे-छोटे एमएसएमई क्लस्टर विकसित किए जाए। अभी शहर में करीब तीन हजार उद्योग हैं, जो अपने विस्तार के लिए जगह मिलने का इंतजार कर रहे हैं। अब तक कंपनी खोलने और निवेश के लिए आने वाले उद्योगपतियों को कई तरह की अनुमति लेना होती है। जिसके कुछ कार्यालय प्रदेश के अन्य शहरों में है।

उद्योगपतियों को एक जगह ही सभी तरह की सुविधा और जानकारी मिल जाए, इसके लिए अतुल्य या क्रिस्टल आइटी पार्क में हेल्प डेस्क के रूप में उद्योग मित्र नाम से एक कार्यालय खोलने का प्रस्ताव है।

इंदौर पटाखा फैक्ट्री में घायल एक श्रमिक की मौत, दो की हालात गंभीर; फैक्ट्री संचालक फरार

इंदौर। इंदौर जिले में पटाखा कारखाने में हुए विस्फोट में बुरी तरह झुलसे तीन मजदूरों में शामिल 20 वर्षीय एक युवक की अस्पताल में इलाज के दौरान बुधवार को मौत हो गई, जबकि इस इकाई का संचालक घटना के बाद फरार हो गया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। चोइथराम अस्पताल के उपनिदेशक (स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. अमित भट्ट ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया कि पटाखा कारखाने में हुए विस्फोट में गंभीर रूप से घायल रोहित परमानंद (20) इस घटना के बाद से सदमे में था और उसे जीवन रक्षक तंत्र पर रखा गया था। भट्ट ने बताया कि तमाम प्रयासों के बावजूद रोहित की जान नहीं बचाई जा सकी।

दो अन्य मजदूरों की हालत स्थिर

उन्होंने बताया कि पटाखा कारखाना विस्फोट में बुरी तरह झुलसे दो अन्य मजदूरों-अर्जुन राठौर (27) और उमेश चौहान (29) की हालत स्थिर बनी हुई है। पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) उमाकांत चौधरी ने बताया कि पटाखा कारखाना विस्फोट के कारण दम तोड़ने वाले मजदूर रोहित के शव का पोस्टमॉर्टम कराया जा रहा है।

पटाखा कारखाने में विस्फोट के बाद से संचालक फरार

अमित भट्ट ने आगे बताया कि पटाखा कारखाने के संचालक मोहम्मद शाकिर खान के खिलाफ विस्फोटक अधिनियम के साथ ही भारतीय दंड विधान की धारा 308 (आपराधिक मानव वध का प्रयास) के तहत महू थाने में मामला दर्ज किया गया है। डीएसपी ने बताया कि पटाखा कारखाने में विस्फोट के बाद से खान फरार है और पुलिस के अलग-अलग दल उसकी तलाश कर रहे हैं।

एक ही दिन में रेल यात्रियों ने की 89 शिकायतें

इंदौर। गर्मियों की छुट्टी लगते ही नियमित ट्रेनों में लंबी वेटिंग शुरू हो चुकी है, जिसके रतलाम मंडल ने स्पेशल ट्रेनों का संचालन शुरू किया है। ट्रेन संख्या बढ़ाने से अब रेल यात्रियों द्वारा अलग-अलग तरह की शिकायतें भी कर रहे हैं। हालांकि मंडल की टीम 24 घंटे सक्रिय होकर इन शिकायतों को तत्काल दूर भी कर रही है। 14 अप्रैल को एक दिन में 89 शिकायतें आई।14 अप्रैल को रतलाम मंडल से संबंधित 89 शिकायतें अफसरों को मिली। इन शिकायतों में यात्री सुविधा, अनारक्षित टिकट के साथ आरक्षित कोच में यात्रा, कोच में पानी की उपलब्धता, सुरक्षा, लगेज/पार्सल, इलेक्ट्रिकल उपकरणों की खराबी, रिफंड सहित अन्य प्रकार की शिकायतें शामिल है। इसमें 11 चिकित्सा सहायता भी सम्मिलित है।मंडल पीआरओ खेमराज मीणा ने बताया कि मंडल पर शिकायतों का निपटारा करने में काफी सतर्कता बरती जा रही है। शिकायतों को शीघ्रता से निपटान करने का कार्य भी किया जा रहा है। चलती ट्रेनों में साफ-सफाई, पानी की उपलब्धता, एसी की कार्यशीलता, लिनन की उपलब्धता, मेडिकल सहायता जैसी विभिन्न प्रकार की शिकायतों एवं सहायता के लिए तत्पर हैं। तथा यात्रियों को शिकायत का अवसर न मिले इसके लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

इंदौर जिले में खुले/अनुपयोगी बोरिंग का बंद कर पंचायतों को देना होगा प्रमाण पत्र प्राप्त

पेयजल व्यवस्था सुगम बनाये रखें, बैठक सम्पन्न

इंदौर। इंदौर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रीष्मकाल को देखते हुए पेयजल व्यवस्था सुगम बनाये रखने के निर्देश दिये गये है। जिला पंचायत के सीईओ सिद्धार्थ जैन ने पेयजल व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों की बैठक ली और पेयजल व्यवस्था की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में जिले की समस्त जनपद पंचायत सीईओ, सहायक यंत्री मनरेगा, सहायक यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, उद्योग विभाग के जनपद प्रभारी एवं जिला पंचायत के सभी परियोजना अधिकारी के कार्यो की समीक्षा की गई।

महू जनपद के ग्राम सिलोटिया, जुलवानिया एवं जाकुखेडी में पेयजल स्त्रोत की समस्या ज्ञात होने पर पीएचई विभाग को इन ग्रामों में नवीन सोर्स के लिये कार्य करने के निर्देश दिये गये। देपालपुर के ग्राम ललेण्डीपुरा एवं महू के ग्राम जुलवानिया में पेयजल स्त्रोत के रूप मे मनरेगा अंतर्गत सामुदायिक निर्मल नीर कूप निर्माण की आवश्यकता बताई गई। ग्राम कुशलपुरा, कदवाली, रामघाट पलाशघाट की मोटर चोरी होने पर सीईओ जिला पंचायत द्वारा पीएचई सहायक यंत्री महू को निर्देशित किया गया कि मोटर चोरी के संबंध में पुलिस प्रकरण दर्ज कराये। ग्राम में पेयजल व्यवस्था बनाने के लिये अन्य वैकल्पिक मोटर की कार्यवाही की जाये। उन्होंने क्षतिग्रस्त पाइल लाइन को दुरस्थ करने के निर्देश दिये। सांवेर के ग्राम पंचडेरिया में कालोनाईजर द्वारा पेयजल व्यवस्था नही करने पर उनके विरूद्ध कालोनी सेल को प्रस्ताव प्रेषित करने के निर्देश दिये गये। जनपद देपालपुर अन्तर्गत ग्राम डासरी, पलासिया पार एवं जलोदियापंत मे नलजल योजना सुधार हेतु सीईओ जनपद को निर्देशित किया गया।

समीक्षा बैठक में रीवा जिले मे ट्युबवेल में फसने से बच्चे की दुर्घटना मृत्यु के प्रकाश में जैन द्वारा सीईओ जनपद पंचायतों को निर्देशित किया गया कि सभी पंचायत सचिवो से उनके क्षेत्र में खुले पड़े अनुपयोगी बोर का बंद किये जाने का प्रमाण पत्र प्राप्त कर जिले को प्रतिवेदन प्रस्तुत करे। सहायक यंत्री मनरेगा, सहायक यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी को निर्देशित किया गया कि प्रत्येक अधिकारी अगले 10 दिवस में क्षेत्र भ्रमण कर 20-20 अनुपयोगी बोरवेल के सुरक्षित बंद करने का स्थल सत्यापन कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करे।

आईआईएम इंदौर में 432 करोड़ रुपये से अभ्युदय

अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ परिसर का होगा विस्तार

इंदौर, एजेंसी। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) इंदौर में बुधवार को 8वें प्रोजेक्ट 'अभ्युदय' परियोजना का उद्घाटन किया गया। यह प्रोजेक्ट 432 करोड़ रुपये से तैयार होगा, जिसमें अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ परिसर का विस्तार किया जाएगा। इसके उद्घाटन दौरान आईआईएम इंदौर के निदेशक प्रो. हिमांशु राय ने राम नवमी के अवसर के पर स्वयं पुरोहिती कर्तव्यों का पालन करते हुए पारंपरिक वैदिक पद्धति के साथ भूमि पूजन किया। इस अवसर पर प्रो. हिमांशु राय ने कहा कि अभ्युदय आइआइएम इंदौर के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। यह विस्तार संस्थान की शैक्षणिक सुविधाओं को बेहतर करेगा। यह परियोजना विकास और नेट-जीरो कैंपस की ओर बढ़ने में मददगार साबित होगा। परियोजना के तहत सोलर पावर सिस्टम और सोलर वाटर हीटिंग जैसी पर्यावरणीय प्रौद्योगिकियों के जरिए नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों पर निर्भरता को कम किया जाएगा। इससे परिसर के कार्बन फुटप्रिंट में काफी कमी आएगी।

इसके अलावा अत्याधुनिक सीवेज उपचार संयंत्र से अपशिष्ट जल के रीसाइकक्लिंग, पानी की खपत को कम करने और पर्यावरण प्रदूषण को रोकने में मदद मिलेगी। साथ ही भूनिर्माण योजनाओं में देशी पौधों की प्रजातियों का उपयोग और हरित स्थानों का विकास किया जाएगा।

बड़ी संख्या में तैयार होंगी कक्षाएं और कार्यालय - इस परियोजना के तहत शैक्षणिक सुविधाओं का निर्माण किया जाएगा। इसमें बहुमंजिला छात्रावास ब्लाकों में 870 छात्रों को समायोजित करने के लिए एक नया शैक्षणिक भवन तैयार किया जाएगा। इसमें 32 फैकल्टी सदस्यों के लिए रेसीडेंशियल क्वार्टरों के साथ 70 फैकल्टी और 70 कर्मचारियों के लिए कार्यालय तैयार किए जाएंगे। इसके अलावा 150 व्यक्तियों की क्षमता वाली छह बड़ी कक्षाएं, 75 व्यक्तियों की क्षमता वाली छह कक्षाएं और 30 प्रतिभागियों की क्षमता के लिए तीन छोटी कक्षाएं रहेंगी। साथ ही फैकल्टी लाउंज और एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट के लिए 70 नए कार्यालय होंगे। एक आधुनिक कैफेटेरिया भी होगा। इसके अलावा एक एमडीसी अकादमिक ब्लाक और इंक्यूबेशन सेंटर भी होगा।

जीआरआईएचए-5 स्टार वाली इमारतें और ई-चार्जिंग की सुविधा- रेसिडेंस एरिया में 870 सिंगल रूम वाले होस्टल का निर्माण होगा। हर कमरे में एक बाथरूम रहेगा। साथ ही विजिटिंग फैकल्टी और मेहमानों के लिए एक एमडीसी रेसिंडेस ब्लाक तैयार होगा। इसके अलावा ग्रीन रेटिंग फार इंटेग्रेटेड हेबिटैट एसेसमेंट (जीआरआईएचए) 5 स्टार वाली इस परियोजना में इमारतों को धूप और वेंटिलेशन को अधिकतम करने के लिए तैयार की गई है। इससे आर्टिफिशियल कूलिंग और हीटिंग पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। इसके अलावा संस्थान की 30 प्रतिशत पार्किंग में ई-चार्जिंग कियोस्क लगाकर इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके अलावा एयर हैंडलिंग इकाइयों में एमईआरवी-8 फिल्टर और यूवीजीआई सिस्टम की स्थापना से हवा की गुणवत्ता में काफी सुधार होगा।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, गुरुवार 18 अप्रैल, 2024

अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए स्पेशल ट्रेन का परिचालन

ग्रीष्मकालीन छुट्टियों के दौरान ट्रेनों में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रतलाम मंडल से होकर अलग-अलग स्टेशनों के लिए स्पेशल ट्रेन का परिचालन स्पेशल किराया के साथ किया जा रहा है। ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है :-

गाड़ी संख्या 09413/09414 गांधीधाम दानापुर अहमदाबाद स्पेशल- गाड़ी संख्या 09413 गांधीधाम दानापुर स्पेशल 19 अप्रैल, 2024 को गांधीधाम से शुक्रवार को 11.20 बजे चलकर रतलाम मंडल के रतलाम (21.25/21.35, शुक्रवार), नागदा (22.15/22.17), उज्जैन (23.10/23.15) एवं मक्सी (00.05/00.10, शनिवार) होते हुए शनिवार को 20.30 बजे दानापुर पहुँचेगी। इसी प्रकार वापसी में गाड़ी संख्या 09414 दानापुर अहमदाबाद स्पेशल 20 अप्रैल, 2024 शनिवार को दानापुर से 23.30 बजे चलकर रतलाम मंडल के मक्सी (21.40/21.45, रविवार), उज्जैन (22.40/22.45), नागदा (23.35/23.37) एवं रतलाम (00.20/00.30, सोमवार) होते हुए सोमवार को प्रातः 07.30 बजे अहमदाबाद पहुँचेगी। इस ट्रेन में चार थर्ड एसी,16 स्लीपर एवं 02 सामान्य श्रेणी के कोच रहेंगे। इस ट्रेन का दोनों दिशाओं में आनंद, छायापुरी, रतलाम, नागदा, उज्जैन, मक्सी, संत हिरदाराम नगर,बीना, सागर, दमोह, कटनी मुडवारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पं. दीनदयाल उपाध्याय जं., बक्सर, एवं आरा स्टेशनों पर ठहराव रहेगा । इसके साथ ही गाड़ी संख्या 09413 गांधीधाम दानापुर स्पेशल का सामाख्याली, ध्रांगध्रा एवं विरमगाम स्टेशनों पर भी ठहराव रहेगा।

गाड़ी संख्या 09421/09422 अहमदाबाद दानापुर अहमदाबाद स्पेशल– गाड़ी संख्या 09421 अहमदाबाद दानापुर स्पेशल 23 अप्रैल, 2024, मंगलवार को अहमदाबाद से 21.40 बजे चलकर रतलाम मंडल के रतलाम (03.00/03.10, बुधवार), नागदा (03.55/03.57), उज्जैन (04.50/04.55) एवं मक्सी (05.55/06.00) होते हुए गुरुवार को 02.30 बजे दानापुर पहुँचेगी। इसी प्रकार वापसी में गाड़ी संख्या 09422 दानापुर अहमदाबाद स्पेशल 25 अप्रैल, 2024 गुरुवार को 05.30 बजे चलकर रतलाम मंडल के मक्सी (03.40/03.45, शुक्रवार), उज्जैन (04.40/04.45), नागदा (05.35/05.37) एवं रतलाम (06.20/06.30) होते हुए शुक्रवार को 13.00 बजे अहमदाबाद पहुँचेगी। इस ट्रेन का दोनों दिशाओं में आनंद, छायापुरी, रतलाम, नागदा, उज्जैन, मक्सी, संत हिरदाराम नगर,बीना, सागर, दमोह, कटनी मुडवारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पं. दीनदयाल उपाध्याय जं., बक्सर, एवं आरा स्टेशनों पर ठहराव रहेगा । इस ट्रेन में चार थर्ड एसी, 16 स्लीपर एवं दो सामान्य श्रेणी के कोच रहेंगे।

गाड़ी संख्या 09043/09044 बांद्रा टर्मिनस बरौनी बांद्रा टर्मिनस अनारक्षित स्पेशलः – गाड़ी संख्या 09043 बांद्रा टर्मिनस बरौनी स्पेशल 17 अप्रैल, 2024 बुधवार को बांद्रा टर्मिनस से 21.40 बजे चलकर रतलाम मंडल के रतलाम (06.25/06.35, गुरुवार) एवं नागदा (07.45/07.47) होते हुए शुक्रवार को 22.45 बजे बरौनी स्टेशन पहुँचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09044 बरौनी बांद्रा टर्मिनस स्पेशल 20 अप्रैल, 2024 शनिवार को बरौनी से 10.20 बजे चलकर रतलाम मंडल के नागदा (19.15/19.20, रविवार) एवं रतलाम (20.05/20.15) होते हुए सोमवार को 07.05 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। इस ट्रेन का दोनों दिशाओं में बोरीवली, बोईसर, वापी, सूरत, सायण, भरूच, वडोदरा, गोधरा, नागदा, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, बयाना, आगरा फोर्ट, टूण्डला, इटावा, कानपुर, ऐशबाग, बाराबंकी, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, बापूधाम मोतिहारी, मुजफ्फरपुर एवं समस्तीपुर स्टेशनों पर ठहराव दिया गया है। यह ट्रेन पूरी तरह से अनारक्षित ट्रेन है।

सोशल मीडिया से...

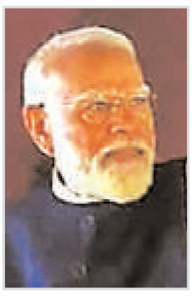

जो लोग संविधान बदलने का कह रहे हैं उन्होंने कई दशकों तक काम किया, लेकिन वो कभी बाबा साहेब का संविधान कश्मीर में लागू नहीं करवा पाए। ये मोदी है, आज जम्मू-कश्मीर में भी संविधान आन-बान और शान से लागू हो गया है। ये कहते थे 370 हटी तो कश्मीर में आग लग जाएगी। आज आर्टिकल-370 का एंड हो चुका है। भारत को बांटने वालों को जलन हो रही है।

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

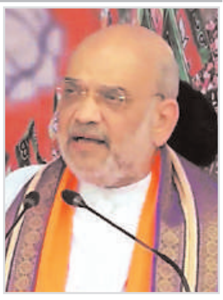

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद दम तोड़ रहा है। काफी लंबे समय से पथराव और गोलीबारी की कोई घटना सामने नहीं आई है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के कार्यकाल के दौरान जम्मू-कश्मीर की तस्वीर ही बदल गई है। विकास ने नई ऊंचाइयों को छुआ है। जिस जगह बम धमाके, गोलीबारी की घटनाएं आम होती थीं आज वहां विकास हो रहा है।

अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

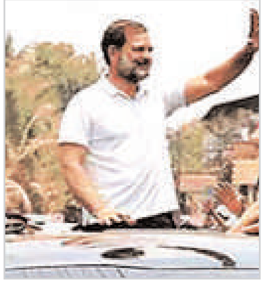

मोदी में देश चलाने की समझ नहीं है। जब लोग कोविड से मर रहे थे, तब पीएम कह रहे थे थाली बजाओ। इसपर मीडिया ने उन्हें जीनियस कहा। अगर देश के किसी अन्य नागरिक ने थाली बजाओ कहा होता तो उसे लाठी से पीटा जाता या जेल में डाल दिया जाता।

राहुल गांधी, कांग्रेस नेता

पहले बेईमानों पर कार्रवाई नहीं होती थी। ईडी, सीबीआई कार्रवाई करती थी तो स्कूल के बेग में ही उनकी काली कमाई बन जाती थी, लेकिन अब बेईमानों की काली कमाई से हजारों करोड़ों आए हैं। अब चारों दिशाएं शुभ समाचार ला रही है, हर तरफ मोदी, मोदी, मोदी है।

डॉ. मोहन यादव, सीएम मप्र

आज का कार्टून

मोदी की गारंटी में किसानों के लिए कुछ भी नहीं

भाजपा का घोषणा पत्र सिर्फ यह दावा करता है कि हमने प्रमुख फसलों के लिए एम.एस.पी. में अभूतपूर्व वृद्धि की है। हम समयबद्ध तरीके से ही एम.एस.पी. में वृद्धि को जारी रखेंगे। दरअसल मोदी सरकार द्वारा एम.एस.पी. में अभूतपूर्व वृद्धि का दावा झूठा है। सच यह है कि 23 में से 22 फसलों में एम.एस.पी. की बढ़ौतरी की दर मोदी सरकार की तुलना में मनमोहन सिंह सरकार में कहीं ज्यादा थी। भाजपा के घोषणा पत्र की भाषा से स्पष्ट है कि वह न तो एम.एस.पी. के स्वामीनाथन कमीशन के फार्मूले को मानने को तैयार है और न ही एम.एस.पी. को किसान का कानूनी हक बनाने के लिए तैयार है। यह घोषणा पत्र देश को दालों और खाद्य तेलों में आत्मनिर्भर बनाने और दुनिया के लिए मोटे अनाज का उत्पादन करने की बात करता है, लेकिन यहां भी किसानों को कम से कम इन फसलों में एम.एस.पी. दिलाने के वादे से भी गुरेज करता है।

योगेन्द्र यादव

'भाजपा का संकल्प- मोदी की गारंटी 2024' नामक दस्तावेज किसानों के लिए खतरे की घंटी है। चुनाव के पहले चरण के मात्र चार दिन पहले जारी हुआ भाजपा का यह घोषणा पत्र किसानों के लिए खुली घोषणा है कि अगर भाजपा तीसरी बार सत्ता में आती है तो खेती और किसानों के लिए कोई उम्मीद नहीं है। आम तौर पर घोषणापत्र में पार्टियां अच्छी बातें कहती हैं, बढ़-चढ़ कर दावे और वादे करती हैं। इस बार भाजपा के घोषणा पत्र से पहले अन्य अधिकांश विपक्षी पार्टियां अपना घोषणा पत्र जारी कर चुकी थीं जिसमें उन्होंने किसानों के लिए अनेक ठोस वादे किए हैं। भाजपा चाहती तो इनमें से कुछ बिन्दुओं को अपना सकती थी या फिर उनसे दो कदम आगे जा सकती थी।

ऐसा करने की बजाय किसानों के तमाम मुद्दों और किसान आंदोलन की सभी मांगों पर भाजपा की चुप्पी से जाहिर है कि या तो किसान आंदोलन के हाथों हुआ अपमान मोदी जी को भूला नहीं है या फिर भाजपा को भरोसा है कि किसान का वोट लेने के लिए खेती और किसानी के बारे में कुछ भी कहने या करने की जरूरत नहीं है। भाजपा मुद्दों की जगह मोदी और जवान-किसान की जगह हिन्दू-मुसलमान से काम चलाना चाहती है। इस दस्तावेज की शुरूआत में ही भाजपा सरकार के 'सर्वस्पर्शी समावेशी' सुशासन और विकास के 10 वर्ष के बारे में कुछ दावे किए गए हैं और फिर अलग-अलग क्षेत्रों के बारे में कुछ वादे। यहां दावों के बारे में सबसे महत्वपूर्ण बात है भाजपा की चुप्पी। वर्ष 2016 से भाजपा ने लगातार देश के किसानों को उनकी आय दोगुना करने की डुगडुगी बजाई थी। पिछले चुनावी घोषणा पत्र में भी इस वादे को दोहराया गया था। लेकिन इस 6 वर्षीय योजना की मियाद 2022 में पूरी होने के बाद भाजपा ने इस बारे में एक शब्द भी नहीं कहा है। न तो अपने वादे को दोहराया और न ही देश को हिसाब दिया कि आखिर यह वादा पूरा क्यों नहीं हो सका।

इसके बदले भाजपा ने 11 करोड़ किसान परिवारों को सालाना किसान सम्मान निधि के तहत 6000 रुपए देने का दावा दोहराया है। यहां भी सच में किफायत से काम लिया गया। यह नहीं बताया कि 14 करोड़ किसान परिवारों की घोषणा की जगह कभी 9 करोड़ कभी 10 तो कभी 11 करोड़ परिवारों को क्यों मिली। इस बड़े सच से भी मुंह चुराया गया कि इस योजना की घोषणा के बाद से ही महंगाई का सूचकांक 33 प्रतिशत बढ़ गया है। यानी 2019 में 6000 रुपए की राशि की जो कीमत थी उसे बनाए रखने के लिए आज 9000 रुपए की जरूरत है। मीडिया में खबर चल रही थी कि मोदी सरकार या तो अपने अंतिम बजट में या फिर घोषणा पत्र में किसान सम्मान निधि की राशि बढ़ाने की घोषणा करेगी, लेकिन घोषणा पत्र में इस सवाल पर भी पूरी तरह चुप्पी बनाए रखी है।

किसानों की आमदनी फसल के दाम से जुड़ी है। देश भर के किसान फसल के वाजिब दाम की गारंटी को लेकर आंदोलनरत हैं। इस सवाल पर विपक्षी पार्टियां अपना रुख साफ कर चुकी हैं। कांग्रेस का घोषणा पत्र साफ शब्दों में सभी किसानों को स्वामीनाथन कमीशन फार्मूले के हिसाब से सम्पूर्ण लागत पर डेढ़ गुना न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एम.एस.पी. की कानूनी गारंटी देने का वादा करता है। साथ में कृषि मूल्य आयोग को वैधानिक दर्जा देने का आश्वासन भी देता है ताकि एम.एस.पी. तय करते समय उस पर सरकार का दबाव न रहे। यही वादा मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी, समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय जनता दल जैसे विपक्षी दलों के घोषणा पत्र में दोहराया गया है। समाजवादी पार्टी का घोषणा पत्र तो एक कदम आगे बढ़कर दूध और अन्य तमाम कृषि उत्पादों को भी न्यूनतम समर्थन मूल्य के दायरे में लाने का वादा करता है। इस बार पहली बार देश के प्रमुख राष्ट्रीय दलों के बीच किसान आंदोलन की इस महत्वपूर्ण मांग पर सर्वसम्मति बनती दिखाई देती है। लेकिन मोदी की गारंटी में ही इसके लिए कोई जगह नहीं है।

भाजपा का घोषणा पत्र सिर्फ यह दावा करता है कि हमने प्रमुख फसलों के लिए एम.एस.पी. में अभूतपूर्व वृद्धि की है। हम समयबद्ध तरीके से ही एम.एस.पी. में वृद्धि को जारी रखेंगे। दरअसल मोदी सरकार द्वारा एम.एस.पी. में अभूतपूर्व वृद्धि का दावा झूठा है। सच यह है कि 23 में से 22 फसलों में एम.एस.पी. की बढ़ौतरी की दर मोदी सरकार की तुलना में मनमोहन सिंह सरकार में कहीं ज्यादा थी। भाजपा के घोषणा पत्र की भाषा से स्पष्ट है कि वह न तो एम.एस.पी. के स्वामीनाथन कमीशन के फार्मूले को मानने को तैयार है और न ही एम.एस.पी. को किसान का कानूनी हक बनाने के लिए तैयार है। यह घोषणा पत्र देश को दालों और खाद्य तेलों में आत्मनिर्भर बनाने और दुनिया के लिए मोटे अनाज का उत्पादन करने की बात करता है, लेकिन यहां भी किसानों को कम से कम इन फसलों में एम.एस.पी. दिलाने के वादे से भी गुरेज करता है। इस सवाल पर 'इंडिया' गठबंधन किसान आंदोलन के साथ खड़ा है और भाजपा उसके खिलाफ।

इसी तरह भाजपा का घोषणा पत्र किसानों पर कर्ज के बोझ के सवाल पर भी पूरी तरह चुप्पी साध गया है जबकि सरकार के अपने दस्तावेज बताते हैं कि देश के बहुसंख्यक किसान कर्ज के बोझ से दबे हुए हैं। जहां समाजवादी पार्टी का घोषणा पत्र कर्ज मुक्ति की बात करता है तो कांग्रेस का घोषणा पत्र कर्ज का स्थायी समाधान करने के लिए एक आयोग स्थापित करने का वादा करता है जो समय-समय पर कर्ज के बोझ का मूल्यांकन कर इस बोझ को कम या खत्म करने का काम करेगा।

फसल के नुकसान की समस्या को लेकर भाजपा का घोषणा पत्र आश्वस्त दिखाई देता है कि फसल बीमा योजना से ही उसका समाधान कर दिया गया है, रहा-सहा काम बेहतर तकनीक से कर दिया जाएगा। जबकि हकीकत यह है कि इस नई योजना के आने के बाद फसल बीमा पर सरकारी खर्च और बीमा कम्पनियों का मुनाफा तो बढ़ा है लेकिन इसका लाभ उठाने वाले किसानों की संख्या पहले से भी कम हुई है। कांग्रेस का घोषणा पत्र इस तथ्य को स्वीकार करते हुए सभी किसानों को फसल बीमा के दायरे में लाने और नुकसान के 30 दिन के भीतर बीमे का भुगतान करने का वादा करता है।

देश के किसानों की इन प्रमुख मांगों पर कुछ ठोस वादा करने की बजाय इस घोषणा पत्र के चार पन्नों में मोदी सरकार ने उन सब जुमलों को दोहराया है जिनके जरिए उसने पिछले साल से किसानों का पेट भरने की कोशिश की है। श्री अन्न सुपरफूड, नैनो यूरिया, इंफ्रास्ट्रक्चर, स्टोरीज क्लस्टर फसलों का विविधीकरण और प्राकृतिक खेती का विस्तार, लेकिन यहां भी भाजपा ने ध्यान रखा है कि किसी भी बिन्दू पर कोई ठोस वादा न किया जाए। बस हर मुद्दे को गिना दिया है तथा दावा किया है कि भाजपा सरकार ने इस विषय में बहुत कुछ किया है और बस कह दिया है कि आगे और भी बहुत कुछ किया जाएगा।

जाहिर है मोदी जी ने अपनी पिछली गलतियों से सबक लिया है। पहले किसान को एम.एस.पी. देने का वादा और उनकी आमदनी डबल करने का वादा कर मोदी जी फंस गए थे। इसलिए इस बार तय किया गया है कि कोई भी ऐसा वादा न किया जाए जिसका बाद में हिसाब देना पड़े। अब सवाल यह है कि क्या पिछले 10 सालों से इस जुमलेबाजी का बोझ झेल रहा किसान भी कोई सबक सीखेगा या नहीं। शायद पिछले कुछ दिनों से ही हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश के किसानों द्वारा भाजपा से हिसाब मांगने और उसके नेताओं का प्रवेश रोकने की खबरें कुछ इशारा कर रही हैं।

मतदान कर्मियों की ऑनलाइन परीक्षा लेकर योग्यता जांची जा रही, 18 हुए फेल

इंदौर। लोकसभा चुनाव में मतदान केंद्रों की कमान संभालने वाले मतदान कर्मियों का चार दिनी प्रशिक्षण कार्यक्रम जारी है। इस बार मतदान कर्मियों की ऑनलाइन परीक्षा लेकर योग्यता जांची जा रही है। कर्मियों के मोबाइल पर ऑब्जेक्टिव प्रश्नों के चार विकल्पों को चुनकर परीक्षा देना होती है। पेपर सबमिट होने के बाद रिजल्ट भी मिल जाता है। पहले दिन हुई परीक्षा में 1949 मतदान कर्मियों में से 18 योग्यता परीक्षा में पास नहीं हो सके। अब इनको दूसरी बार प्रशिक्षण लेना होगा।इंदौर जिले में चार दिन प्रशिक्षण कार्यक्रम में नौ हजार से अधिक मतदान कर्मियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। मतदान दलों में नियुक्त होने वाले पीठासीन अधिकारी और मतदान अधिकारी क्रमांक 1 के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।प्रशिक्षण के बाद मतदान कर्मियों की योग्यता को जांचने के लिए नवाचार के तहत प्रदेश में पहली बार आनलाइन परीक्षा की व्यवस्था की गई है। प्रशिक्षण के पहले दिन 1967 मतदान कर्मियों ने भाग लिया। इसमें से 1949 मतदान कर्मी पास हुए और 18 मतदान कर्मी फेल हुए। फेल मतदानकर्मियों को दूसरी बार 19 अप्रैल को प्रशिक्षण लेना होगा।

994 ने अर्जित किए शत प्रतिशत अंक – पहले दिन के प्रशिक्षण कार्यक्रम में 994 मतदान कर्मियों ने शत प्रतिशत अंक अर्जित किए। वहीं 405 मतदान कर्मियों को 90 प्रतिशत, 262 को 80 प्रतिशत, 150 को 70 प्रतिशत, 91 को 60 प्रतिशत तथा 47 को 50 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए। 50 प्रतिशत से नीचे अंक लाने वालों को फैल माना गया। मतदान में किसी भी तरह की गलती नही हो इसको देखते हुए बहुत ही सूक्ष्मता के साथ प्रशिक्षण दिया जा रहा हा।

मां बिरासिनी सेवा समिति द्वारा निकाली गई भव्य झांकिया

उमरिया। उमरिया के मां बिरासिनी सेवा समिति द्वारा बीते वर्ष की भांति इस वर्ष भी जावरा कलश विसर्जन जुलूस निकाला गया। जुलूस में आकर्षक झांकियां सजाकर निकाली गई जिसमें विभिन्न देवी देवताओं का स्वरूप लिए झांकियां आकर्षण का केंद्र रही। झांकी में भगवान श्रीराम जी का राम दरबार, भोलेनाथ पार्वतीजी का नृत्य, राधा कृष्ण, भारत माता, सरस्वती शिशु मंदिर की कन्याओं ने भी खूबसूरत नृत्य प्रस्तुत किया। अन्य झांकियों के प्रदर्शन ने दर्शकों को मनमोह लिया। नगरवासियों आयोजन की जमकर सराहना की।

लोगों ने कहा कि जब से सेवा समिति ने जुलूस, झांकियां और नौ दिवसीय विशाल भंडारा का आयोजन प्रारंभ किया तब से नगर की शोभा और बढ़ती जा रही है।

नवरात्री के पूरे नौ दिनों तक माता रानी को भोग लगने के साथ ही सेवा समिति द्वारा बनाए गए पांडाल में सैकड़ों कन्याएं कन्याभोज के कार्यक्रम में शामिल रहती हैं। मां बिरासिनी सेवा समिति पिछले 1 वर्ष से निरंतर ब्लड डोनेशन, गरीबों को कपड़े वितरण करना, कंबल वितरण करना जैसे अनेक पुण्य लाभ का कार्य करती चली आ रही है। विदित हो कि मां बिरासिनी सेवा समिति 1.5 साल (1/1/2023) से रजिस्टर्ड है। समिति के अध्यक्ष संदीप अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सौरभ अग्रवाल एवं सचिव पवन सांबर हैं।

आपकी शिकायत/समस्याओं में
आपका साथी
दैनिक सद्भावना पाती

शिकायत / पत्र संपादक के नाम
आप किसी समस्या, शिकायत, मुद्दे, जानकारी, गड़बड़ी, भ्रष्टाचार, नियम विरुद्ध काम आदि की शिकायत संपादक के नाम व्हाट्सएप पर भेज सकते हैं।
सर्वप्रथम आप अपने मोबाइल में सीएम हेल्पलाइन 181 एप डाउनलोड करें
और उस पर शिकायत उपरांत हमे उसका स्क्रीन शॉट और फोटो भेजें।
हम उस शिकायत को दैनिक सदभावना पाती में प्रकाशित करेंगे और आपकी समस्या/शिकायत को शीघ्र खत्म करने का प्रयास करेंगे।
केवल व्हाट्स एपकरें, कॉल न करें।
व्हाट्स ऐप न. 9685611304
ईमेल आईडी- reporter.spnews@gmail.com
नोट :- जनहित की समस्याओं पर उचित ईनाम भी दिया जाएगा।

ICAI CA final, intermediate admit cards 2024 released

CA Exams May 2024 Admit Card: The hall tickets for CA Intermediate and Final examinations scheduled to be conducted in May 2024 have been released by the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI). Those who have registered for the examinations can download their admit cards by visiting the official website, eservices.icai.org.

Candidates can access their hall tickets using their CA Inter or CA Final registration numbers and date of birth. The direct links to access and download the ICAI CA admit cards for the May 2024 examinations are available on its official portal.

ICAI CA 2024 Exam Dates

The Institute of Chartered Accountants of India (ICAI) has divided the intermediate and final examinations into two groups. Intermediate Group 1 exams are scheduled for May 3, 5, and 9, followed by Group 2 on May 11, 15, and 17. The Final exams for Group 1 will be held on May 2, 4, and 8, while Group 2 exams are slated for May 10, 14, and 16.

List of Universities that have international campuses in Dubai

Nearly 1.6 lakh students go to the United Arab Emirates (UAE) every year for higher studies, out of which a large portion of Indian students choose Dubai as their study abroad location. So much so, that the Indian Institute of Technology (IIT) Delhi has also decided to open a campus in Dubai.

Last year, Tadu Mamu, Consul (Press Information, Culture and Labour) of the Indian Embassy had also shown interest in India partnering up with UAE to make Emirates a global education hub. Considering the growing popularity of Dubai as a study abroad destination among Indian students, here's a list of some of the famous global universities that have launched a campus in Dubai.

01. University of Birmingham, Dubai Campus
02. University of Wollongong, Dubai Campus
03. Curtin University, Dubai Campus
04. Heriot Watt University, Dubai Campus
05. Hult International Business School, Dubai Campus
06. University of Stirling, Dubai Campus
07. Murdoch University, Dubai Campus
08. Canadian University, Dubai
09. Middlesex University, Dubai Campus
10. Manipal Academy of Higher Education (MAHE), Dubai Campus
11. De MontFort University, Dubai Campus
12. Rochester Institute of Technology Dubai (RIT Dubai)
13. HTMI Switzerland, Dubai Campus
14. EM Normandie, Dubai Campus
15. BITS Pilani, Dubai Campus
16. Amity University, Dubai Campus
17. Westford University College

संक्षिप्त समाचार

केपीआई ग्रीन एनर्जी को खरीदने की लूट, 6 महीने में 196 प्रतिशत चढ़ गया भाव

नईदिल्ली, एजेंसी। रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर की प्रमुख कंपनी केपीआई ग्रीन एनर्जी के शेयर लगातार अपने निवेशकों को तगड़ा रिटर्न दे रहा है। केपीआई ग्रीन एनर्जी के शेयर पिछले छह महीने में 196 प्रतिशत चढ़ गए हैं। केपीआई ग्रीन एनर्जी के शेयर मंगलवार को 3.1 प्रतिशत चढ़कर 1740.40 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। बता दें कि आज बुधवार 17 अप्रैल को राम नवमी के मौके पर शेयर बाजार बंद है। सोलर एनर्जी प्रोडक्शन सेक्टर में काम करने वाली कंपनी, सोलरिज्म ब्रांड के तहत एक इंडिपेंडेंट बिजली प्रोड्यूसर और कैप्टिव बिजली प्रोड्यूसर ग्राहकों के लिए सर्विस प्रोवाइडर दोनों के रूप में काम करती है। नवंबर के बाद से इसके शेयरों में लगातार बढ़ोतरी देखी गई है। इस दौरान इसने 209 प्रतिशत का जबरदस्त रिटर्न दिया है। इस साल 26 फरवरी में स्टॉक 1,890 प्रति शेयर के 52 वीक हाई पर पहुंच गया था। क्लीन एनर्जी सोर्सेज की बढ़ती मांग केपीआई ग्रीन एनर्जी जैसी रिन्युएबल एनर्जी कंपनियों के लिए अपनी बाजार उपस्थिति का विस्तार करने का अवसर है। बता दें कि भारत में बिजली की मांग बढ़ने के साथ पिछले सात सालों में सोलर एनर्जी लगातार नई बिजली कैपासिटी वृद्धि के प्राथमिक स्रोत के रूप में उभरी है। 2030 तक 280 गीगावॉट सौर ऊर्जा हासिल करने का भारत का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर की संभावनाओं को और मजबूत करता है। इसके अलावा फरवरी में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पीएम सूर्य घर- मुफ्त बिजली योजना से देशभर में सोलर एनर्जी प्रोडक्शन की मांग बढ़ने की उम्मीद है।

195 के शेयर में रॉकेट जैसी तेजी, लगातार दे रहा मुनाफा

नईदिल्ली, एजेंसी। ग्रीनलैम इंडस्ट्रीज के शेयर ने अपने निवेशकों को मल्टीबैगर रिटर्न दिए हैं। कंपनी के शेयर पिछले तीन साल में 187.61 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। 16 अप्रैल, 2021 को यह शेयर 195 रुपये पर बंद हुआ था और इस साल 16 अप्रैल, 2024 तक यह बढ़कर 562 रुपये पर आ गया। यानी इस अवधि में 187.61 प्रतिशत चढ़ गया है। इसकी तुलना में सेंसेक्स तीन साल में 49.38 प्रतिशत बढ़ा है। बता दें कि बीते मंगलवार को यह शेयर 3 प्रतिशत तक चढ़कर 565.45 रुपये पर पहुंच गया था। आज रामनवमी के अवसर पर शेयर बाजार बंद है। आपको बता दें कि वुडपैनल उद्योग का स्टॉक एक साल में 83 प्रतिशत बढ़ा है और छह महीने में 37.42 प्रतिशत बढ़ा है। कंपनी का मार्केट कैप बढ़कर 7170 करोड़ रुपये हो गया। तकनीकी के संदर्भ में, ग्रीनलैम इंडस्ट्रीज का रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स (आरएसआई) 57.8 पर है, जो दर्शाता है कि स्टॉक न तो ओवरसोल्ड और न ही ओवरबॉट क्षेत्र में कारोबार कर रहा है। ग्रीनलैम इंडस्ट्रीज के शेयर 5 दिन, 10 दिन, 20 दिन 30 दिन, 50 दिन, 100 दिन, 150 दिन और 200 दिन के मूविंग औसत से ऊंचे हैं। एंटीक ब्रोकिंग ने ग्रीनलैम इंडस्ट्रीज के लिए 670 रुपये का टारगेट प्राइस रखा है। यह मौजूदा प्राइस से 20 प्रतिशत अधिक है। वहीं, जेएम फाइनेंशियल ने 600 रुपये के टारगेट प्राइस के साथ प्लाइवुड स्टॉक पर होल्ड रेटिंग दी है। ब्रोकरेज ने कहा कि वित्त वर्ष 2023 से वित्त वर्ष 26 तक रेवेन्यू 21 प्रतिशत की सीएजीआर से बढ़ने की उम्मीद है। बता दें कि दिसंबर 2023 को समाप्त तिमाही के लिए पांच प्रमोटरों के पास फर्म में 50.98 प्रतिशत हिस्सेदारी थी और 18,017 सार्वजनिक शेयरधारकों के पास 49.02 प्रतिशत हिस्सेदारी या 6.25 करोड़ शेयर थे।

ग्रोसरी चेन को खरीदने के लिए लाइन में खड़े हैं टाटा, अंबानी और दमानी!

नईदिल्ली, एजेंसी। के.के. मोदी ग्रुप के निवेश वाली कंपनी गॉडफ्रे फिलिप्स अपने रिटेल ग्रोसरी चेन 24सेवन को बेचने की तैयारी में है। सूत्रों के मुताबिक इसके लिए उसकी टाटा ट्रेंट, रिलायंस रिटेल और एवेन्यू सुपरमार्केट्स के साथ बातचीत कर रही है। गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया ने 12 अप्रैल को एक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा था कि वह घाटे में चल रही 24सेवन चेन से बाहर निकलने की योजना बना रही है। कंपनी के रिटेल बिजनस डिवीजन की विस्तृत समीक्षा के बाद यह फैसला लिया गया है। एक सूत्र ने बताया कि गॉडफ्रे फिलिप्स की विभिन्न कंपनियों के साथ बातचीत चल रही है और यह वैल्यूएशन पर निर्भर करेगी। सूत्र ने कहा कि मोदी ग्रुप की लीडरशिप ने अब तक इस बारे में ऐसे ग्रुप्स के साथ बातचीत की है, जिनके बीच स्पष्ट तालमेल है। बातचीत विभिन्न चरणों में है। 24सेवन दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र पंजाब और हैदराबाद में लगभग 145 स्टोर ऑपरेट करता है। साल 2005 में शुरू की गई यह चेन के स्टोर्स में किराना, स्टेपल, स्नैक्स, पेय पदार्थ, पर्सनल केयर उत्पाद, मोदी ग्रुप के अपने ब्यूटी ब्रांड कलरबार के प्रॉडक्ट मिलते हैं। साथ ही कुछ बड़े फॉर्मेट स्टोर्स पर रेडी-टू-ईट फूड काउंटर भी हैं। सूत्र ने कहा, ग्रोसरी रिटेल सेक्टर में काफी तेजी दिख रहा है और घाटे के बावजूद 24सेवन फॉर्मेट का विस्तार संभव है।

कौन-कौन हैं रेस में: एक अन्य सूत्र ने कहा कि टाटा ग्रुप की रिटेल कंपनी ट्रेंट लिमिटेड ग्रोसरी चेन स्टार बाजार को ऑपरेट करती है। लेकिन ग्रोसरी का उसके कुल रिटेल बिजनस में छोटा हिस्सा है। 24सेवन इसमें अहम भूमिका निभा सकता है। ट्रेंट की दूसरी रिटेल चेन में वेस्टसाइड और जूडियो ने स्टार बाजार की तुलना में काफी तेजी से अपना विस्तार किया है। रिलायंस रिटेल वेंचर्स की टेक्सस की कंपनी 7-इलेवन ब्रांड के साथ पार्टनरशिप है। कंपनी करीब 50 स्टोर ऑपरेट करती है। इसकी शुरुआत 2021 में हुई थी। एक सूत्र ने कहा कि अगर रिलायंस 24सेवन को खरीदती है तो वह अपनी कनवीनिएंट स्टोर चेन को इसमें मर्ज कर सकती है। दोनों फॉर्मेट एक ही तरह के हैं। इसी तरह डीमार्ट चलाने वाली कंपनी एवेन्यू सुपरमार्ट्स की भी 24सेवन पर नजर है। उसका बिजनस मुख्य रूप से ग्रोसरी केंद्रित है और वह इस सेगमेंट को तेजी से बढ़ाना चाहती है।

मोदी एंटरप्राइजेज के मैनेजिंग डायरेक्टर समीर मोदी ने इस बारे में सवालों का जवाब नहीं दिया। टाटा ट्रेंट और एवेन्यू सुपरमार्केट्स के प्रवक्ताओं ने भी इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। रिलायंस रिटेल के प्रवक्ता ने एक ईमेल में कहा, हम मीडिया की अटकलों और अफवाहों पर टिप्पणी नहीं करते हैं। गॉडफ्रे फिलिप्स के रिटेल बिजनस डिवीजन ने फाइनेंशियल ईयर 2023 में परिचालन से 396 करोड़ का रेवेन्यू कमाया जो कंपनी के कुल रेवेन्यू का 9.3 प्रतिशत है।

इंदौर जिले में विगत वर्ष लगे 38 के करीब रोजगार मेले

एक साल में तीन हजार से अधिक युवाओं को मिला विभिन्न कंपनियों में रोजगार

इंदौर। इंदौर जिले में युवाओं को शासन की योजनाओं से जोड़कर स्वरोजगार और विभिन्न कंपनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए रोजगार मेले आयोजित हुए। जिले में विगत वर्ष 38 के करीब रोजगार मेलो का आयोजन किया गया। इनके माध्यम से तीन हजार से अधिक युवाओं को रोजगार प्राप्त हुआ, वहीं एक हजार के करीब युवाओं ने विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ लेकर स्वरोजगार शुरू किया। इसके बाद भी जिले में युवाओं को रोजगार की दरकार है। जनप्रतिनिधियों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए बड़ी पहल शुरू करनी होगी। रोजगार मेले के अलावा अंतरराष्ट्रीय स्तर की कंपनियों को रोजगार की शर्तों पर जिले में जमीने मुहैया कराकर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने होंगे।

इंदौर जिले में विगत एक साल में रोजगार कार्यालय द्वारा विभिन्न कंपनियों की जरूरत के अनुसार रोजगार मेले आयोजित हुए। अधिकारियों की माने तो एक साल में 38 से अधिक रोजगार मेलों का आयोजन किया गया। इसमें तीन हजार 800 के करीब विभिन्न पाठ्यक्रम में प्रशिक्षित युवाओं को रोजगार के अवसर मुहैया हुए। इसके अलावा जिला प्रशासन द्वारा भी आधा दर्जन रोजगार मेलों का आयोजन किया गया। इसमें एक हजार से अधिक बेरोजगारों को रोजगार प्राप्त हुआ। सामाजिक न्याय विभाग द्वारा भी दिव्यांगों के लिए रोजगार मेले का आयोजन किया गया था। इसमें सैकड़ों दिव्यांगों को विभिन्न कंपनियों में रोजगार के प्राप्त हुआ। विगत दिनों कई आइटी कंपनियां भी इंदौर में अपने कार्यालय शुरू कर युवाओं को रोजगार उपलब्ध करा रही है।

सैकड़ों युवाओं को सौंपे नियुक्ति पत्र - केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई अग्निवीर योजना में भर्ती के लिए जिला प्रशासन की पहल पर इंदौर और उज्जैन संभाग के जिलों के युवाओं के लिए इंदौर में भर्ती के लिए मेला आयोजित हुआ। 6 से 13 जनवरी तक हुए इस भर्ती प्रक्रिया में दो हजार से अधिक युवाओं का प्रारंभिक चयन हुआ। वहीं ढक्कनवाला कुआं पर भी प्रधानमंत्री रोजगार मेले का आयोजन कर सैकड़ों युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे गए थे।

पंचायतों में स्वरोजगार की पहल - प्रशासन की पहल पर इंदौर जिले की ग्राम पंचायतों में उद्योग स्थापित करने के लिए युवाओं को प्रेरित कर प्रशिक्षण दिया गया है। इसमें शासन की विभिन्न योजनाओं से जोड़कर स्वरोजगार स्थापित करने में मदद की जाएगी। चयनित युवाओं को उद्योग स्थापित करने के लिए जनपद स्तर पर प्रशिक्षण भी दिया जा चुका है। जिला उद्योग व्यापार केंद्र द्वारा युवाओं को लोन दिलाकर उद्योग स्थापित कराया जाएगा।

रोजगार की तलाश में आ रहे युवा - इंदौर और पीथमपुर उद्योगिक क्षेत्र में हजारों कंपनियां युवाओं को रोजगार उपलब्ध करा रही है। इसके बाद भी हजारों युवा प्रतिवर्ष रोजगार की तलाश में इंदौर पहुंच रहे है। एजुकेशन हब होने से भी बड़ी संख्या में पढ़ाई करने आने वाले युवाओं को भी रोजगार की तलाश है।

सोने का भाव अभी और उछलेगा अप्रैल में 6262 रुपये हुआ महंगा

नईदिल्ली, एजेंसी। शादियों का सीजन आज से शुरू हो रहा है। बारात में बैंड बाजों का शोर रहेगा, लेकिन इजरायल-ईरान के बीच जंग के आसार से सर्राफा बाजारों की रौनक गायब है। सोने-चांदी की कीमतें शोर मचा रही हैं। अप्रैल में सोना 6262 रुपये महंगा हुआ है तो चांद के दाम 9505 रुपये बढ़े हैं।

सर्राफा बाजारों में मंगलवार 16 अप्रैल को को 24 कैरेट सोने का औसत भाव 73514 रुपये प्रति 10 ग्राम के ऑल टाइम हाई पर पहुंच। जबकि, चांदी भी 83632 रुपये प्रति किलो के नए शिखर पर पहुंच गई। हालांकि, अंत में गोल्ड 999 थोड़ा नरम होकर 73302 रुपये और चांदी 83213 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई।

दो महीने में सोना 11506 रुपये उछला: 23 फरवरी 2024 को सोना 62008 रुपये प्रति 10 ग्राम पर था। आईबीजेए के आंकड़ों के मुताबिक करीब दो महीने में ही सोना 11506 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा हो गया है। जबकि, चांदी 13979 रुपये प्रति किलो उछली। 23 फरवरी को चांदी के रेट प्रति किलो 69653 रुपये थे।

जिस कंपनी ने अडानी के बुरे दिनों में दिया साथ, उसने वोडाफोन आइडिया पर भी रखा हाथ

नईदिल्ली, एजेंसी। अडानी के बुरे दिनों में संकट मोचक के रूप में साथ देने वाली कंपनी जीक्यूजी पार्टनर्स ने अब तंगहाल वोडाफोन आइडिया का हाथ पकड़ा है। जीक्यूजी पार्टनर्स ने वोडाफोन आइडिया में भारी निवेश किया है। बता दें पब्लिक इन्वेस्टर्स के लिए अपने मेगा एफपीओ के ओपनिंग से ठीक पहले, वोडाफोन आइडिया ने अपने एंकर बुक आवंटन को बंद करने का ऐलान कर दिया है। कंपनी ने प्रमुख वैश्विक और घरेलू निवेशकों से लगभग 5,400 करोड़ रुपये जुटाए लिए हैं। एंकर बुक को सब्सक्राइब करने वाले प्रमुख निवेशकों में जीक्यूजी पार्टनर्स के अलावा यूबीएस, मॉर्गन स्टेनली इंडिया इन्वेस्टमेंट फंड, सिटीग्रुप ग्लोबल मार्केट्स मॉरीशस, गोल्डमैन सैक्स और फिडेलिटी शामिल हैं। जीक्यूजी पार्टनर वही है, जिसने संकट के समय में अडानी ग्रुप पर भरोसा जताया था। इस कंपनी ने अडानी ग्रुप की कई कंपनियों में हिस्सेदारी खरीद रखी है। इस लिस्ट में अडानी एंटरप्राइजेज, अडानी पोर्ट, अडानी पावर, अडानी एनर्जी सॉल्युशन्स लिमिटेड और अडानी ग्रीन एनर्जी का नाम शामिल है।

बाबा रामदेव की कंपनी पर फिदा हुए विदेशी निवेशक, बढ़ाई अपनी हिस्सेदारी

नईदिल्ली, एजेंसी। बाबा रामदेव की अगुवाई वाली एफएमसीजी कंपनी पतंजलि फूड्स के शेयर बीते मंगलवार को फोकस में थे। कंपनी के शेयरों में लगभग 7 प्रतिशत की तेजी देखी गई थी और यह 1424.10 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गया था। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक अच्छी खबर है। दरअसल, विदेश निवेश कंपनी त्नत्त्न पार्टनर्स ने मार्च तिमाही में पतंजलि फूड्स में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई है। बता दें कि आज बुधवार को रामनवमी के मौके पर शेयर बाजार बंद है। त्नत्त्न पार्टनर्स ने मार्च 2024 तिमाही में पतंजलि फूड्स में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर 11.48 प्रतिशत कर दी है। इससे पहले दिसंबर 2023 तिमाही में 3.3 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। बाबा रामदेव की अगुवाई वाली एफएमसीजी फर्म के शेयर बीएसई पर 1335.50 रुपये के पिछले बंद स्तर के मुकाबले 6.62 प्रतिशत बढ़कर मंगलवार को 1424.10 रुपये पर पहुंच गए थे। बाद में, बीएसई पर पतंजलि फूड्स के शेयर 5.41 प्रतिशत बढ़कर 1407.70 रुपये पर बंद हुए थे।

2023-24 में दालों का आयात दोगुना हुआ, देश में उत्पादन घटने से चालू वित्त वर्ष में भी हो सकता है इजाफा

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकार की ओर से किसानों को प्रोत्साहन देने के कई उपायों बावजूद आयातित दालों पर भारत की निर्भरता बनी हुई है। हमें अब भी घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए बड़ी मात्रा में दलहन उत्पादों का आयात करना पड़ रहा है। अनुमानित आंकड़ों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2023-24 में दालों का आयात लगभग दोगुना हो गया और 3.74 अरब डॉलर पर पहुंच गया। हालांकि आधिकारिक आंकड़े अब भी आने बाकी हैं लेकिन शिपमेंट्स से पता चलता है कि करीब 45 लाख टन दाल का आयात किया गया। इससे पिछले साल यह आंकड़ा 24.5 लाख टन का था। सरकार से जुड़े सूत्रों ने एएनआई को बताया कि घरेलू बाजार में दलहन के मांग की पूर्ति और कीमतों को स्थिर रखने के लिए केंद्र ब्राजील और अर्जेंटीना जैसे नए बाजारों के साथ दीर्घकालिक समझौते पर बातचीत कर रहा है। ब्राजील से 20,000 टन उड़द का आयात होना है जबकि अर्जेंटीना से अरहर के आयात के लिए बातचीत लगभग अंतिम पड़ाव पर है। सरकार ने दालों के आयात के लिए मोजाम्बिक, तंजानिया और म्यांमार से भी संपर्क किया है। हाल के दिनों में दालों के आयात में वृद्धि से घरेलू बाजार में आपूर्ति बढ़ेगी, जिससे कीमतें स्थिर सकतीं हैं।

इससे पहले सरकार ने पीले मटर के आयात को जून तक ड्यूटी फ्री कर दिया है। वहीं, अरहर और उड़द का आयात 31 मार्च 2025 तक कर मुक्त कर दिया गया है। देश में आम चुनावों की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है ऐसे में सरकार के लिए दालों की कीमतें ना बढ़ें यह बड़ी चिंता का विषय है। कीमतों पर नियंतण के लिए 15 अप्रैल (सोमवार) को दालों के स्टॉक के लिए लिमिट तय कर दी है। सरकार ने राज्यों से भी कहा है कि वे भी जमाखोरी रोकने के लिए सतर्क रहें। सरकार की चिंता कारण यह है कि किसानों को प्रोत्साहन देने के कई कदम उठाने के बावजूद पिछले दो से तीन वर्षों में दलहन का उत्पादन घटा है। कृषि मंत्रालय के अनुमानों के अनुसार इस साल दलहन का उत्पादन 234 लाख टन रह सकता है। पिछले साल 261 लाख टन दलहन का उत्पादन हुआ था।

23 अप्रैल से खुल रहा आईपीओ

नईदिल्ली, एजेंसी। अगर आप किसी आईपीओ में पैसे लगाने की सोच रहे हैं तो आपके लिए यह काम की खबर हो सकती है। अगले सप्ताह से एक और कंपनी का आईपीओ निवेश के लिए ओपन होगा। यह जेएनके इंडिया लिमिटेड का आईपीओ है। हीटिंग इक्विपमेंट बनाने वाली कंपनी जेएनके इंडिया लिमिटेड का आईपीओ 23 अप्रैल को खुलेगा। निवेशक इस इश्यू में 25 अप्रैल तक पैसे लगा सकेंगे। वहीं, एंकर निवेशकों के लिए यह इश्यू 22 अप्रैल को खुलेगा। आईपीओ में 300 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसके अलावा प्रवर्तक तथा एक मौजूदा शेयरधारक द्वारा 84.21 लाख इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) लाई जाएगी। आईपीओ से मिली आय का इस्तेमाल कार्यशील पूंजी जरूरतों और सामान्य कंपनी कामकाज के लिए किया जाएगा।

इस साल सस्ता हो गया है 717 प्रतिशत चढ़ने वाला मल्टीबैगर स्टॉक

नईदिल्ली, एजेंसी। पॉलीकैब इंडिया के शेयर इस साल भले ही 3.67 प्रतिशत नीचे हैं, लेकिन पिछले 5 साल में मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। इस अवधि में इसने 717 पर्सेंट का छप्परफाड़ रिटर्न दे चुका है। पॉलीकैब ने एक साल में 71 प्रतिशत और दो साल में 101 प्रतिशत की छलांग लगा चुका है। तीन वर्षों में स्टॉक 275 प्रतिशत चढ़ा है। पॉलीकैब इंडिया के शेयरों ने 2024 में निगेटिव रिटर्न दिया है। फास्ट मूविंग इलेक्ट्रिक गुड्स (स्नस्ररूद्गत्र) स्टॉक इस साल 3.67 प्रतिशत नीचे है। केबल और तार बनाने वाली कंपनी के शेयर 14 दिसंबर, 2023 को 5722.90 रुपये के अपने रिकॉर्ड उच्च स्तर से 8 प्रतिशत नीचे हैं। पॉलीकैब इंडिया लिमिटेड देश की सबसे बड़ी तार और केबल निर्माता कंपनी है। मंगलवार को पॉलीकैब इंडिया का शेयर एनएसई पर 5272.95 रुपये पर बंद हुआ। पॉलीकैब इंडिया का एक साल का बीटा 0.3 है, जो इस अवधि के दौरान बहुत कम अस्थिरता का संकेत देता है। टेक्नीकल चार्ट पर स्टॉक का रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स 63.6 पर है। यानी यह स्टॉक न तो ओवर बॉट जोन में है और न ही ओव सेल गया है। पॉलीकैब इंडिया के शेयर 20 दिन, 50 दिन, 100 दिन, 200 दिन से अधिक, लेकिन 5 दिन और 10 दिन के मूविंग औसत से कम पर कारोबार कर रहे हैं।

पॉलीकैब इंडिया टार्गेट प्राइस

ब्रोकरेज फर्म बीएनपी पारिबा को उम्मीद है कि 2024 में ईबीआईटीडीए मार्जिन में 20 बीपीएस की मामूली गिरावट होकर 13.9 प्रतिशत हो जाएगी। यह मुख्य रूप से साल-दर-साल कम निर्यात और एफएमईजी डिवीजन मार्जिन पर दबाव के कारण होगा। वहीं, मोतीलाल ओसवाल ने पॉलीकैब स्टॉक पर कवरेज शुरू की है। ब्रोकरेज ने कहा, हम अपने लक्ष्य मूल्य 7,500 रुपये तक पहुंचने के लिए पॉलीकैब को एफवाय26ई इपीएस के 50 गुना पर महत्व देते हैं।

निर्मल बंग ने 5255 रुपये का लक्ष्य दिया है। ब्रोकरेज ने कहा, पॉलीकैब ने अपनी आक्रामक मार्केटिंग, व्यापक उत्पाद पोर्टफोलियो और उत्पादों की त्वरित उपलब्धता के कारण बाजार हिस्सेदारी हासिल करना जारी रखा है।

पॉलीकैब की वित्तीय सेहत

पिछले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में, पॉलीकैब ने दिसंबर 2022 तिमाही में 361 करोड़ रुपये के नेट प्रॉफिट के मुकाबले लाभ में 15 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 416.5 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की। पॉलीकैब इंडिया का राजस्व तीसरी तिमाही में 4340.4 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 3715.1 करोड़ रुपये के मुकाबले 17 प्रतिशत अधिक है।

इस जोड़ी ने ऐसा बिजनेस शुरू किया, कि छप्परफाड़ कमाई

4 साल में करोड़पति

नईदिल्ली, एजेंसी। आज हम आपको जिस जोड़ी से मिलाने जा रहे हैं, उसने बेहद मुश्किल वक्त में अपने वेंचर की शुरुआत की। वह वक्त था कोरोना महामारी का। तब सबकुछ बंद था। हालांकि, यह मुश्किल स्थिति भी समीर मिराजकर और विराज सावंत को कुछ अलग करने से रोक नहीं पाई। दोनों होटल मैनेजमेंट ग्रेजुएट हैं। साल 2020 में इन्होंने इनकान नाम का वेंचर शुरू किया था। इसे अलग-अलग फ्लेवर में लो-कैलोरी कैन्ड कॉकटेल बनाने में महारत है। इस स्टार्टअप का वैल्यूशन 4 सालों में 80 करोड़ रुपये हो गया है।

मुश्किल वक्त में शुरुआत: यह कोरोना महामारी का वो समय था जब समीर और विराज को इनकान का आइडिया आया। उन्होंने एक ऐसी परफेक्ट कॉकटेल के बारे में सोचा जिसे आसानी से एक ही कैन में पैक किया जा सके। घर के बाहर जाए बगैर या कई तरह की चीजों को जुटाने की जद्दोजहद से गुजरे बिना बार-क्वालिटी वाली कॉकटेल की पेशकश लुभावनी थी। इस तरह परेशानी से मुक्त हाई क्वालिटी कॉकटेल अनुभव मुहैया कराने के लक्ष्य के साथ इनकान की शुरुआत की गई थी।

शार्क टैंक इंडिया में गए: समीर और विराज अपने प्रोडक्ट को शार्क टैंक इंडिया पर भी लेकर गए थे। उन्होंने 2 प्रतिशत इक्विटी के बदले में 50 लाख रुपये के निवेश की मांग की थी। इस मूल्यांकन ने उनके बिजनेस को 25 करोड़ रुपये पर खड़ा कर दिया था।

सभी जज हुए फिदा

प्रोडक्ट की क्वालिटी और उनके बिजनेस मॉडल की क्षमता ने शार्क टैंक के जजों का ध्यान आकर्षित किया था। समीर और विराज ने ऑल-शार्क डील हासिल की थी। इसमें शार्क टैंक के पांचों जजों ने 10 प्रतिशत इक्विटी के लिए कुल 1 करोड़ रुपये का निवेश किया था। इस सौदे से उनके कारोबार का वैल्यूशन 10 करोड़ रुपये आंका गया।

स्टार्टअप ने पकड़ी तेजी

शार्क टैंक इंडिया पर अपनी उपस्थिति के बाद से इनकान ने शानदार बढ़त दर्ज की है। नवंबर 2023 तक कंपनी ने अपने परिचालन का विस्तार महाराष्ट्र, पुणे, गोवा, पांडिचेरी, जम्मू-कश्मीर और उत्तर प्रदेश तक कर दिया। समीर और विराज ने फंडिंग का एक और राउंड भी क्लोज कयिा है। इसमें कंपनी का वैल्यूशन 80 करोड़ रुपये से ज्यादा है। उनकी भविष्य की योजनाओं में अगले दो वर्षों के भीतर देशभर में अपनी पहुंच का विस्तार करना शामिल है। वे अपने फ्लेवर प्रोफाइल को लगातार विकसित करने और अपने स्टॉक में नए पसंदीदा कॉकटेल जोड़ने की भी योजना बना रहे हैं।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, गुरुवार 18 अप्रैल, 2024

ऑनलाइन टीचिंग में चुन सकते हैं पार्ट टाइम या फुल टाइम कॅरियर

एजुकेशन एक्सपर्ट कहते हैं कि ऑनलाइन ट्यूशन वास्तव में होम ट्यूशन का ही एक एडवांस मैथड है। इसमें ई-ट्यूटरिंग के जरिए बच्चों को पढ़ाया जाता है। ऑनलाइन ट्यूटरिंग का मूल लाभ यह है कि ट्यूटर छात्र को किसी भी स्थान से, यहां तक कि वह अपने घर पर रहकर भी टीचिंग कर सकता है। ऑनलाइन टीचिंग के दौरान समय को पहले से ही सुनिश्चित किया जाता है और फिर ऑनलाइन क्लासरूम में छात्र व टीचर मिलते हैं और पढ़ते व पढ़ाते हैं। इस नौकरी के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि इसे आप अपने समय के अनुसार, पार्ट टाइम या फुल टाइम कॅरियर चुन सकते हैं। इसके अलावा यह आय का एक अच्छा स्रोत प्रदान करता है।

योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट की मानें तो एक ऑनलाइन ट्यूटर के पास विशेषज्ञता के आधार पर योग्यता होनी आवश्यक है। मसलन, आप किसी विशेष भाषा के ऑनलाइन ट्यूटर बनना चाहते हैं तो आपको उस भाषा से संबंधित कम से कम सर्टिफिकेट कोर्स अवश्य करना चाहिए। इसके अलावा, बीएड, एमएड या नेट, आदि के बाद भी आप शिक्षण के क्षेत्र को चुन सकते हैं।

एक ऑनलाइन ट्यूटर बनने के लिए सबसे जरूरी स्किल है पढ़ाई के प्रति जुनून। अर्थात ना सिर्फ आपको दूसरों को पढ़ाना पसंद होना चाहिए, बल्कि खुद भी हमेशा कुछ ना कुछ नया सीखने की चाहत होनी चाहिए। चूंकि आप ऑनलाइन टीचिंग कर रहे हैं, इसलिए आपमें तकनीकी गुण भी होने चाहिए।

मसलन, कंप्यूटर व इंटरनेट के इस्तेमाल के साथ-साथ बच्चों के लिए प्रेजेंटेशन आदि भी बनाने आने चाहिए। इसके अलावा, ऑनलाइन टीचिंग के दौरान आपके कम्युनिकेशन स्किल भी काफी अहम हैं। याद रखें कि दूसरों को पढ़ाना एक बेहद सीरियस काम है और इसके लिए कमिटमेंट की जरूरत होती है।

ऑनलाइन ट्यूटर बनने के लिए आपको बहुत अधिक मेहनत करने की आवश्यकता नहीं है। अगर आप अब तक ट्यूशन पढ़ाते आए हैं तो अब आप उन्हीं बच्चों को ऑनलाइन ट्यूशन पढ़ाने की शुरूआत कर सकते हैं। इसके अलावा, ऐसी कई कंपनियां व वेबसाइट हैं, जो टीचर्स को हायर करके ऑनलाइन पढ़ाने का अवसर प्रदान करते हैं। ऐसे में आपको ऑनलाइन छात्र ढूंढने की भी जरूरत नहीं है। बस इन कंपनियों के साथ जुड़कर आप एक अच्छा करियर बना सकते हैं।

आमदनी

ऑनलाइन ट्यूशन एक ऐसा क्षेत्र है, जहां पर अनुभवी टीचर्स काफी अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं। शुरूआत में एक टीचर करीबन 200 रूपए प्रति घंटा चार्ज कर सकते हैं। वहीं कुछ समय के अुनभव, बाद आप 500 रूपए प्रति घंटा प्राप्त कर सकते हैं। अगर आप इस क्षेत्र में अपनी क्वालिटी को साबित करते हैं और छात्रों को आपके पढ़ाने का तरीका पसंद आता है, तब आपकी कमाई की कोई सीमा नहीं है।

सेरिकल्चरिस्ट के लिए उपलब्ध हैं करियर की असीम संभावनाएं

अगर आपको फार्म प्रोडक्शन और उससे जुड़ी प्रक्रिया में रुचि है, तो आप बन सकते हैं बेहतरीन सेरिकल्चरिस्ट।

एग्रीकल्चर एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें बेहतरीन करियर का स्कोप तो है ही, देश की अर्थव्यवस्था को गति देने का शानदार मौका भी है। यही नहीं, विस्तृत होने के कारण इससे जुड़ी कई सब-फील्ड्स हैं, जिनमें करियर की असीम संभावनाएं मौजूद हैं। ऐसी ही एक सब-फील्ड है, सेरिकल्चर। दुनिया भर में भारत के सिल्क की बढ़ती मांग के कारण सेरिकल्चरिस्ट के लिए बहुत-से करियर ऑप्शंस उपलब्ध हैं।

क्या है सेरिकल्चर?

सेरिकल्चर फार्मिंग पर आधारित और व्यवसायिक रूप से बेहद आकर्षक गतिविधि है। मूलत- कीटों से रेशम बनाने की प्रक्रिया को सेरिकल्चर कहते हैं, लेकिन अब यह उद्योग सिर्फ कीटों तक सीमित नहीं है बल्कि मल्बरी कल्टिवेशन और पोस्ट कोकून टेक्नोलॉजी जैसी नई प्रक्रियाओं से जुड़ चुकी है। आज के समय में यह एग्रो-बेस्ड इंडस्ट्री, ग्रामीण भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में अहम भूमिका निभा रही है।

कौन-से कोर्स?

इस फील्ड में करियर बनाने के लिए आप सेरिकल्चर या सिल्क टेक्नोलॉजी में बीएससी या डिप्लोमा इन सेरिकल्चर टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट कर सकते हैं। हालांकि इसके लिए इंटर में आपके पास बायोलॉजी और केमिस्ट्री जैसे विषय होने जरूरी हैं। आम डिग्री कोर्स से अलग सेरिकल्चर या सिल्क टेक्नोलॉजी में चार साल का डिग्री कोर्स होता है, जबकि पोस्ट ग्रेजुएशन दो साल का होता है। आप चाहें, तो इस फील्ड में स्पेशलाइजेशन और फिर पीएचडी भी कर सकते हैं। ग्रेजुएशन में स्टूडेंट्स को सिल्कवर्म रियरिंग, ब्रीडिंग एंड जेनेटिक्स, सिल्क रीलिंग एंड स्पिनिंग, सिल्क ग्रेडिंग एंड टेस्टिंग, मॉरीकल्चर, फूड प्लांट्स, सिल्क वीविंग टेक्नोलॉजी, सिल्क डाइंग, प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी जैसे विषय पढ़ाए जाते हैं।

प्रमुख संस्थान

- सेंट्रल सेरिकल्चरल रिसर्च एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, मैसूर
- शेरे-कश्मीर यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, जम्मू
- तमिल नाडु एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, कोयंबत्तूर
- यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसे, बेंगलुरू
- बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर यूनिवर्सिटी, लखनऊ
- दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- शिवाजी यूनिवर्सिटी, कोल्हापुर

जरूरी स्किल्स

इस फील्ड में करियर बनाने के लिए शारीरिक दमखम की बहुत जरूरत होती है। इसके अलावा आपमें धैर्य, समर्पण तथा अलग-अलग व खराब मौसम में भी काम करने की क्षमता होनी चाहिए। साथ ही, साइंस प्रैक्टिकल व साइंटिफिक गतिविधियों में रुचि होना चाहिए। भविष्य की संभावनाएं बतौर सेरिकल्चरिस्ट, आपके पास नौकरी व एंटरप्रेन्योरशिप के कई विकल्प मौजूद हैं। खास बात यह है कि देश के हर राज्य में सेरिकल्चर विभाग मौजूद है, जो इसके उत्पादन व मार्केटिंग की देख-रेख का काम करते हैं। आप सरकारी क्षेत्र में केंद्र सरकार की एजेंसियों जैसे सेंट्रल सिल्क बोर्ड, सिल्क एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल, एफएओ, नाबार्ड, कृषि विज्ञान केंद्र आदि में काम कर सकते हैं।

इसके अलावा रिसर्च सेंटर्स, सेरिकल्चर यूनिट्स, एग्रीकल्चर सेक्टर से जुड़े बैंक्स में भी अपना करियर प्लान कर सकते हैं। अगर आप इंडस्ट्री से जुड़कर काम करना चाहते हैं, तो सेरिकल्चर फार्म में बतौर मैनेजर, या फिर सिल्क रीलिंग, सिल्क वीविंग मिल, डाइंग, प्रिंटिंग अथवा स्पिनिंग मिल में काम कर सकते हैं। केंद्र सरकार कई स्कीम्स स्पॉन्सर करती है, जहां आपको करियर के बेहतरीन अवसर मिल सकते हैं। आप खुद का वीविंग तथा एक्सपोर्ट का बिजनेस कर सकते हैं।

कितनी आय

जो प्रोफेशनल्स अच्छी ट्रेनिंग के साथ पब्लिक सेक्टर में अपना करियर शुरू करते हैं, उनकी शुरूआती सैलरी 15 से 20 हजार रुपए प्रति माह होती है, जबकि प्राइवेट सेक्टर में आप 20 से 25 हजार रुपए प्रति माह की सैलरी से शुरूआत कर सकते हैं। सैलरी अनुभव के साथ बढ़ती है। हालांकि इस पर भी काफी कुछ निर्भर करता है कि आप कहां काम कर रहे हैं। बतौर एंटरप्रेन्योर आप बेहतरीन कमाई कर सकते हैं।

एयरइंडिया में जॉब पाने का मौका, ट्रेनी केबिन क्रू के पद पर वैकेंसीज

विद्यार्थियों के एंटरप्रेन्योरशिप पोटेंशियल को निखारते हैं बी-स्कूल

इसमें कोई शक नहीं कि बिजनेसमैन की वर्तमान पीढ़ी उच्च शिक्षित है और इनमें से अधिकांश के पास टेक्निकल व मैनेजमेंट डिग्रियां हैं। यदि हम भारत के सर्वश्रेष्ठ मैनेजमेंट संस्थानों के करिकुलम को देखें, तो पाएंगे कि इनमें फोकस केवल किताबी ज्ञान पर नहीं होता, बल्कि विद्यार्थियों के एंटरप्रेन्योरशिप पोटेंशियल को निखारने पर भी होता है।

इस बात पर बहस लंबे समय से चल रही है कि देश के सर्वश्रेष्ठ बिजनेस स्कूल्स से ली गई मैनेजमेंट की डिग्री सफल एंटरप्रेन्योर बनने में कितनी और कैसे काम आती है। इस मुद्दे के पक्ष और विपक्ष दोनों ही में तर्क दिए जाते हैं। इसमें कोई शक नहीं कि बिजनेसमैन की वर्तमान पीढ़ी उच्च शिक्षित है और इनमें से अधिकांश के पास टेक्निकल व मैनेजमेंट डिग्रियां हैं। ऐसा कहा जाता है कि क्लास में पढ़ाई जानी वाली थ्योरी कभी भी काम करते हुए हासिल किए गए व्यवहारिक ज्ञान की जगह नहीं ले सकती। मगर यदि हम भारत के सर्वश्रेष्ठ मैनेजमेंट संस्थानों के करिकुलम को देखें, तो पाएंगे कि इनमें फोकस केवल किताबी ज्ञान पर नहीं होता, बल्कि विद्यार्थियों के एंटरप्रेन्योरशिप पोटेंशियल को निखारने पर भी होता है। तो चलिए, इस बात पर बिंदुवार नजर डालते हैं कि किसी टॉप बिजनेस स्कूल में पढ़ने पर आपको क्या मिलता है। बिजनेस स्टडीज एंड एडमिनिस्ट्रेशन प्रोग्राम्स आपको मौजूदा बिजनेस शैलियों, मार्केट रिसर्च डेटा, रियल टाइम तथा तथ्यात्मक केस स्टडीज का एक्सपोजर देते हैं, जो बेहद मूल्यवान साबित होता है। इन मॉडल्स और ट्रेंड्स के बारे में अच्छी तरह जानकर आप इन्हें अपने बिजनेस पर लागू कर सकते हैं। एक प्रकार से यह दूसरों की गलतियों से सीखने के समान होगा। किसी टॉप बिजनेस संस्थानके विद्यार्थी होने के नाते आपका एक्सपोजर देश तक सीमित भी नहीं रहेगा।

टेक्नोलॉजी

हम बेहद तेज रफ्तार दुनिया में जी रहे हैं और जहां तक बात नई व इनोवेटिव टेक्नोलॉजी की है, तो हम चल ही नहीं रहे, बल्कि दौड़ रहे हैं। किसी टॉप बिजनेस स्कूल के विद्यार्थी होने के नाते आपको विभिन्ना नए टूल्स व टेक्नोलॉजीस को समझने और उनके साथ प्रयोग करने का अवसर मिलता है। ऐसे सॉफ्टवेयर, जो मैथमेटिकल मॉडलिंग को सरल बना दें और स्मार्ट प्रेजेंटेशन को वास्तविकता में बदल दें, आपको अपना बिजनेस शुरू करने में काफी मदद कर सकते हैं। ऐसी छोटी-छोटी बातों से आपके कामकाज को एक प्रोफेशनल टच मिल जाता है।

स्किल्स

किसी टॉप बिजनेस स्कूल में जाने से यह भी सुनिश्चित हो जाता है कि आपकी सॉफ्ट स्किल्स में निखार आएगा, जैसे पब्लिक स्पीकिंग, इंटर-पर्सनल कम्युनिकेशन, क्रिएटिविटी, लीडरशिप आदि। ये स्किल्स उन लोगों के लिए बहुत मायने रखती हैं, जो अपना बिजनेस चलाते हैं और रोजाना कई लोगों से डील करते हैं, फिर चाहे वे कर्मचारी हों, क्लाइंट हों या वेंडर आदि हों।

सही लोगों से मुलाकात

किसी अच्छे इंस्टीट्यूट में पढ़ते हुए आपको कई प्रसिद्ध हस्तियों से मिलने का मौका मिलता है। ये हस्तियां विजिटिंग फैकल्टी या गेस्ट प्रेजेंटर के तौर पर वहां आ सकती हैं। फिर, यह भी संभव है कि आपको अपने सहपाठियों में से ही कोई भावी बिजनेस पार्टनर मिल जाए! सर्वश्रेष्ठ एमबीए कॉलेज देश की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को आकर्षित करते हैं। इसलिए यहां आपकी जान-पहचान ऐसे प्रतिभाशाली लोगों से होने की संभावना काफी अधिक रहती है। यह जान पहचान किसी-न-किसी रूप में काम ही आती है।

साख मायने रखती है

इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि किसी टॉप बिजनेस स्कूल से डिग्री लेकर जब आप सबको उस बिजनेस स्कूल का नाम बताएंगे, तो एंटरप्रेन्योर के तौर पर आपकी प्रामाणिकता भी बढ़ जाएगी। इससे आपके साथ डील करने वाली पार्टियों का आपके प्रति विश्वास बढ़ेगा। कुल मिलाकर, देश के किसी दिग्गज बिजनेस स्कूल से मैनेजमेंट की डिग्री लेना फायदे का ही सौदा होता है क्योंकि यहां आपको केवल किताबी ज्ञान ही नहीं मिलता, बल्कि इससे कहीं अधिक लाभ प्राप्त होता है।

वॉटर मैनेजमेंट में अपना करियर बना सकते हैं युवा

जल संरक्षण व प्रबंधन पर अब सरकारें और औद्योगिक प्रतिष्ठान भी ज्यादा जोर दे रहे हैं। इन समस्याओं से निपटने के लिए वॉटर मैनेजमेंट के प्रोफेशनल्स की जरूरत बढ़ रही है। ये ऐसे प्रशिक्षित लोग होते हैं, जिन्हें वॉटर हार्वेस्टिंग, वेस्ट वॉटर ट्रीटमेंट तथा वॉटर रिसाइक्लिंग की अच्छी समझ होती है। उधर, भूजल के स्तर को सुधारने के लिए आधुनिक तकनीकों की भी मांग बढ़ रही है। केंद्रीय जल संसाधन विभाग की ओर से जारी राष्ट्रीय जल नीति में भी पानी के कुप्रबंधन पर चिंता जताई गई है। रिपोर्ट में ज्यादा से ज्यादा वैज्ञानिक प्लानिंग पर जोर देने की बात कही गई है। जाहिर-सी बात है कि दिनो-दिन बढ़ते जल संकट को दूर करने के लिए वॉटर साइंटिस्ट, एन्वायर्नमेंट इंजीनियर, ट्रेंड वॉटर कंजर्वेशनिस्ट या कहें विभिन्न प्रकार के वॉटर मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स की मांग बनी रहेगी। ग्रीन जॉब्स मार्केट में आकर्षक जॉब्स के अवसर बहुत हैं। वॉटर मैनेजमेंट में ट्रेंड प्रोफेशनल्स की जल प्रबंधन से जुड़े सरकारी विभागों में तथा वॉटर प्रोजेक्ट्स में खूब मांग है। निजी क्षेत्र में भी पेयजल आपूर्ति तथा वेस्ट वॉटर ट्रीटमेंट से संबंधित कार्यों के लिए प्रशिक्षित लोगों को ही हायरिंग में तवज्जो दी जा रही है। बड़े-बड़े उद्योग, रियल एस्टेट सेक्टर और एनजीओ भी वॉटर हार्वेस्टिंग डिजाइनिंग तथा जल संचयन के लिए वॉटर मैनेजमेंट की पृष्ठभूमि वाले प्रोफेशनल्स की सेवाएं ले रहे हैं। आप चाहें, तो कंसल्टेंट बनकर भी करियर बना सकते हैं क्योंकि ऐसे लोगों की वॉटर ट्रीटमेंट सिस्टम्स के संचालन और देखरेख के लिए मांग लगातार बढ़ रही है।

क्वॉलिफिकेशन

जल प्रबंधन और संरक्षण पर आधारित कई तरह के कोर्स देश के विभिन्न सरकारी और निजी संस्थानों में संचालित हो रहे हैं। युवा वॉटर साइंस, वॉटर कंजर्वेशन, वॉटर मैनेजमेंट, वॉटर हार्वेस्टिंग, वॉटर ट्रीटमेंट तथा वॉटर रिसोर्स मैनेजमेंट जैसी किसी भी स्ट्रीम में कोर्स करके अपना करियर बना सकते हैं। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) में वॉटर हार्वेस्टिंग एंड मैनेजमेंट नाम से ऐसा ही एक सर्टिफिकेट कोर्स संचालित हो रहा है। 10वीं पास युवा यह कोर्स कर सकते हैं। अगर आप बायोलॉजी विषय में 12वीं पास हैं, तो एक्वा साइंस या वॉटर साइंस में बीएससी और एमएससी भी कर सकते हैं। एग्रीकल्चर/ सिविल इंजीनियरिंग, केमिकल इंजीनियरिंग, जियोलॉजी, एन्वायर्नमेंटल स्टडीज या बायोलॉजी में बैचलर्स की पढ़ाई करके वॉटर साइंटिस्ट, एन्वायर्नमेंट इंजीनियर, बायोलॉजिस्ट, हाइड्रो जियोलॉजिस्ट या जियोलॉजिस्ट बन सकते हैं।

सैलरी कितनी?

वॉटर मैनेजमेंट में डिप्लोमाधारी युवा शुरूआत में आसानी से 15 से 25 हजार रुपए प्रति माह सैलरी पा सकते हैं। वहीं, वॉटर साइंटिस्ट या इंजीनियर को भी 30 से 40 हजार रुपए प्रति माह की सैलरी मिल जाती है।

क्या है वॉटर मैनेजमेंट?

देश-दुनिया में वॉटर कंजर्वेशन एंड मैनेजमेंट की कोशिश कई स्तरों पर चल रही है ताकि दिनो-दिन गहराते जल संकट से पार पाया जा सके। इसके लिए नदियों और भूजल में बढ़ रहे प्रदूषण को कम करने से लेकर भूजल स्तर सुधारने, परंपरागत जल स्रोतों को सुरक्षित रखने तथा आधुनिक तकनीकों के सहारे वॉटर हार्वेस्टिंग की विधियां विकसित करने व वेस्ट वॉटर ट्रीटमेंट जैसे अनेक उपायों पर जोर दिया जा रहा है। कम पानी से कृषि की उत्पादकता बनाए रखने का प्रयास भी इसी मुहिम का हिस्सा है।

टूर्नामेंट के लिए नहीं लगा तैयारी शिविर

बिना तैयारियों के ओलंपिक क्वालिफायर खेलेंगे पहलवान

नई दिल्ली, एजेंसी। सूत्रों की मानें तो खेल मंत्रालय की ओर से भारतीय कुश्ती महासंघ पर लगे निलंबन के चलते ओलंपिक क्वालिफायर के लिए पहलवानों का तैयारी शिविर नहीं लग सका। कुश्ती पर विवादों के साये ने ओलंपिक क्वालिफायर जैसे टूर्नामेंट के लिए पहलवानों की तैयारियों को छीन लिया।

भारतीय टीम के पहलवान बिना तैयारियों के देश को पेरिस ओलंपिक का कोटा दिलाने बिश्केक (किर्गिस्तान) रवाना हो गए। ओलंपिक क्वालिफायर जैसे टूर्नामेंट के लिए पुरुष और महिला पहलवानों का कोई तैयारी शिविर नहीं लगाया गया। पहलवान अपने स्तर पर अखाड़ों में तैयारी कर क्वालिफायर में उतरने जा रहे हैं। अभी तक भारत को कुश्ती में सिर्फ एक ओलंपिक कोटा मिला है, जो अंतिम पंघाल ने दिलाया है।

महासंघ ने विनेश का भी डाला था नाम

सूत्रों की मानें तो खेल मंत्रालय की ओर से भारतीय कुश्ती महासंघ पर लगे निलंबन के चलते ओलंपिक क्वालिफायर के लिए पहलवानों का तैयारी शिविर नहीं लग सका। कुश्ती महासंघ ने 27 मार्च से पुरुषों का शिविर सोनीपत और महिला पहलवानों का शिविर गांधीनगर या पटियाला, बंगलूरू में लगाने की सिफारिश साई से की थी। शिविर में ग्रीकोरोमन, फ्रीस्टाइल और महिला वर्ग के 120 से अधिक पहलवानों का नाम दिया गया था, जिसमें विनेश फोगाट समेत ओलंपिक क्वालिफायर की टीम में शामिल पहलवान भी शामिल थे। महासंघ के प्रस्ताव पर साई ने कोई फैसला नहीं लिया।

महासंघ ने भी लगाया शिविर

साई की ओर से शिविर को मंजूरी नहीं दिए जाने के बाद कुश्ती महासंघ ने भी अपने स्तर पर टूर्नामेंट के लिए कोई तैयारी शिविर नहीं लगाया। जिसके चलते पहलवान अपने स्तर पर ही तैयारियां करने को मजबूर रहे।

क्वालिफायर की फ्रीस्टाइल टीम में अमन (57), सुजीत (65), जयदीप (74), दीपक पूनिया (86), दीपक (97), सुमित (125) और महिला टीम में विनेश (50), अंशु (57), मानसी (62), निशा (68), रीतिका (76 भार वर्ग) शामिल हैं। विनेश को छोड़ 16 पहलवान मंगलवार की सुबह बिश्केक रवाना हुए हैं।

आईपीएल 2024

बटलर के नाबाद शतक से राजस्थान ने कोलकाता को 2 विकेट से हराया

कोलकाता, एजेंसी। यहां के ईडन गार्डन्स में मंगलवार को जोस बटलर ने नाबाद शतक जड़ा, जिससे राजस्थान रॉयल्स को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इतिहास में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ सबसे सफल लक्ष्य हासिल करने में मदद मिली।

बटलर ने 60 गेंदों में नौ चौकों और छह छक्कों की मदद से नाबाद 107 रन बनाए, जिससे 20 ओवरों में राजस्थान रॉयल्स का स्ि्कोर 224/8 तक पहुंच गया। दूसरी तरफ, सुनील नरेन ने अपना पहला आईपी शतक लगाया, 56 गेंदों में 109 रन की उनकी पारी की बदौलत केकेआर 223/6 के स्कोर तक पहुंचा। राजस्थान रॉयल्स 13वें ओवर में 121/6 पर पिछड़ती दिख रही थी, लेकिन बटलर को रोवमैन पॉवेल के रूप में एक सहयोगी मिला, जिन्होंने 13 गेंदों में 26 रनों की पारी खेली।

पॉवेल जल्द आउट हो गए, लेकिन बटलर ने ऊर्जा की कमी और लंगड़ाते हुए तथा रनों के लिए दौड़ते हुए अपनी शानदार बल्लेबाजी जारी रखी।बटलर ने पिछले हफ्ते आरसीबी के खिलाफ तीन अंकों के आंकड़े तक पहुंचने के बाद सीजन का अपना दूसरा शतक लगाया, 55 गेंदों में इस आंकड़े तक पहुंचकर उन्होंने राजस्थान रॉयल्स को शानदार जीत दिलाई और 12 अंकों के साथ शीर्ष स्थान पर अपनी पकड़ बनाए रखी। केकेआर के छह मैचों में आठ अंक रहे।यह आईपीएल में बटलर का सातवां शतक था। उन्होंने क्रिस गेल को पीछे छोड़ दिया और उनके सामने केवल विराट कोहली थे।बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान रॉयल्स ने इम्पैक्ट सब्स्टीट्यूट के रूप में जोस बटलर को लाकर अपनी बल्लेबाजी को मजबूत किया।

हालांकि वे जल्द ही मुश्किल में पड़ गए, क्योंकि साथी सलामी बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल नौ गेंदों में 19 रन बनाकर आउट हो गए और दूसरे ओवर में टीम का स्कोर 22/1 था।जयसवाल ने अपनी संक्षिप्त पारी में तीन चौके और एक छक्का लगाया, जिससे संकेत मिलता है कि आरआर लक्ष्य के लिए जा रहे थे। जोस बटलर और संजू सैमसन ने स्कोर को 47 तक पहुंचाया। इससे पहले कप्तान आठ गेंदों में केवल 12 रन ही बना सके।बटलर को आखिरकार युवा रियान पराग के रूप में एक इच्छुक साथी मिल गया और उन्होंने 21 गेंदों में पचास रन बनाकर स्कोर 97 रन तक पहुंचा दिया।

पराग ने 14 गेंदों में 34 रन बनाए, जिसमें चार चौके और दो छक्के लगाए, जिससे उन्होंने राजस्थान को दौड़ में बनाए रखा। उन्होंने वैभव अरोड़ा की गेंद पर एक छक्का और एक चौका लगाया और आठवें ओवर में हर्षित राणा को भी वही उपचार दिया। हालांकि, वह सबसे अनुचित समय पर आउट हुए। राणा ने अपना बदला लेने के लिए डीप मिडविकेट पर आंद्रे रसेल को आउट किया।राजस्थान रॉयल्स को बीच के ओवरों में गिरावट का सामना करना पड़ा, ध्रुव जुरेल (2), रविचंद्रन अश्विन (8) और शिम्रोन हेटमायर (0) के रूप में तीन विकेट जल्दी-जल्दी गिर गए, जबकि वरुण चक्रवर्ती ने लगातार गेंदों पर दो विकेट लिए।बटलर ने हर्षित राणा पर दो छक्कों के साथ एक चौका लगाया और अंतिम दो गेंदों पर एक डबल और सिंगल लिया, जिससे अंतिम ओवर में 19 रन बने।केकेआर के कप्तान श्रेयस अय्यर ने आखिरी ओवर फेंकने के लिए गेंद वरुण चक्रवर्ती को सौंपी और जब छह गेंदों पर नौ रनों की जरूरत थी, बटलर ने छक्का जड़कर अपना शतक पूरा किया। इसके बाद चक्रवर्ती ने तीन डॉट गेंदें फेंकी, इससे पहले बटलर ने स्कोर बराबर करने के लिए गेंद को वाइड लॉन्ग-ऑफ में दो रनों के लिए डाल दिया। मैच की अंतिम गेंद पर बटलर ने सिंगल लेकर राजस्थान रॉयल्स की जीत पक्की कर दी।संक्षिप्त स्कोर ः्कोलकाता नाइट राइडर्स 20 ओवर में 223/6 (सुनील नरेन 109, अंगकृष रघुवंशी 30; अवेश खान 2-35, ट्रेंट बोल्ट 1-31) राजस्थान रॉयल्स से 20 ओवर में 224/8 (जोस बटलर 107 नाबाद, रियान पराग 34, रोवमैन पॉवेल 26; सुनील नरेन 2-30, वरुण चक्रवर्ती 2-36, हर्षित राणा 2-45) दो विकेट से हार गए।

ट्रेंट बोल्ट की स्टंप तोड़ यॉर्कर ने कर दिया लाखों का नुकसान!

कोलकाता, एजेंसी। ट्रेंट बोल्ट ने आईपीएल 2024 के 31वें मुकाबले में एक ऐसी यॉर्कर डाली कि स्टंप ही टूट गया.

बोल्ट ने अपनी एक यॉर्कर से करीब 10 लाख रुपये का नुकसान कर दिया. स्टंप टूटने के बाद खेल को कुछ देर तक रोका भी गया. ईडन गार्डन्स में टूर्नामेंट का 31वां मुकाबला राजस्थान रॉयल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेला गया था.

इस मैच में राजस्थान रॉयल्स के ट्रेंट बोल्ट ने खतरनाक यॉर्कर से सुनील नरेन को चलता किया था. लेकिन बोल्ट की यॉर्कर से जो स्टंप टूटा, उसकी उन्हें भरपाई करनी पड़ेगी?

पहली पारी में 18वें ओवर की तीसरी गेंद पर ट्रेंट बोल्ट ने सुनील नरेन को यॉर्कर पर बोल्ड कर पवेलियन भेजा. बोल्ट की इस गेंद से स्टंप टूट गया था, जिसकी वजह से कुछ देर खेल रुका क्योंकि नया स्टंप लाकर लगाने में वक़्त लगा. इस आईपीएल नए तरह के स्टंप्स का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसमें अलग-अलग मौकों पर अलग लाइट्स जलती हैं. जैसे- चौका-छक्का लगाने पर अलग लाइट्स, वाइड और नो बॉल होने पर अलग तरह की लाइट्स स्टंप में फ्लैश होती हैं.

कैंडिडेट्स शतरंज

नेपोमनियाच्ची से ड्रॉ खेलकर गुकेश की बढ़त कायम प्रगनानंदा और गुजराती ने भी ड्रॉ खेला

टोरंटो (कनाडा), एजेंसी। डी गुकेश ने 10वें दौर के बाद अकेली बढ़त पर आने का मौका खो दिया। गुकेश ने अपने साथ बढ़त साझा कर रहे रूस के इयन नेपोमनियाच्ची से ड्रॉ खेला। अगर इस बाजी में वह जीतते तो अकेली बढ़त पर आ सकते थे। अब दोनों खिलाड़ियों के छह-छह अंक हैं और दोनों अभी भी संयुक्त बढ़त पर हैं। वहीं आर प्रगनानंदा (5.5) और विदित गुजराती (5) के बीच मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ।

दूसरी ओर शीर्ष वरीय अमेरिका के फैबियानो कारुआना और उनके साथी हिकारु नाकामुरा ने जीत हासिल कर प्रगनानंदा के साथ तीसरा स्थान हासिल कर लिया। कारुआना (5.5) ने फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा (3.5) को और नाकामुरा (5.5) ने अजरबैजान के निजात एबासोव (3) को हराया। महिला वर्ग में आर वैशाली (3.5) ने हार का क्रम तोड़ते हुए बुल्गारिया की नुरग्यूल सालिमोवा (4) को हराया। महिला वर्ग में चीन की झोंगयी तान और ली टिंगजी 6.5 अंक के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं।

गुजराती ने प्रगनानंदा को आसानी से ड्रॉ पर रोका

गुकेश के खिलाफ नेपोमनियाच्ची सफेद मोहरों से खेल रहे थे। शुरुआत में गुकेश समय के दबाव में भी फंसे। बावजूद इसके वह उन्होंने नियंत्रण बनाकर रखा। हालांकि नेपोमनियाच्ची काफी संभलकर खेल रहे थे और जोखिम लेने के मूड में कतई नहीं दिखे। वह 10 दौर के बाद टूर्नामेंट में अकेले खिलाड़ी हैं, जो अब तक हारे नहीं हैं। प्रगनानंदा को भी अभी तक टूर्नामेंट में एक हार गुकेश के खिलाफ मिली है। वह गुजराती के खिलाफ सफेद मोहरों से खेल रहे थे। गुजराती ने उनके खिलाफ बर्लिन डिफेंस का सहारा लिया और आसानी से बाजी ड्रॉ करा सी। 11वें दौर में प्रगनानंदा नाकामुरा से, गुकेश कारुआना से और गुजराती नेपोमनियाच्ची से भिड़ेंगे।

डिस्कस थ्रो

मायकोलास ने 38 साल पुराना डिस्कस थ्रो का विश्व रिकॉर्ड तोड़ा, 74.35 मीटर दूर चक्का फेंका

रामोना (अमेरिका), एजेंसी। वर्ल्ड एथलेटिक्स के मुताबिक अलेक्ना का थ्रो 244 फुट 1 (74.41 मीटर) इंच नापा गया था, लेकिन बाद में इसे 74.35 मीटर कर दिया गया। हालांकि रिकॉर्ड को अभी वर्ल्ड एथलेटिक्स से मान्यता मिलना बाकी है। लिथुआनिया के मायकोलास अलेक्ना ने डिस्कस थ्रो का 38 साल पुराना विश्व कीर्तिमान भंग कर दिया।

उन्होंने 1986 में जर्मनी के जुर्गेन शुल्ट की ओर से स्थापित 74.08 मीटर के रिकॉर्ड को ध्वस्त किया। अलेक्ना ने ओकलाहामा थ्रोज सीरीज कंपटीशन में 243 फुट 11 इंच (74.35 मीटर) दूर चक्का फेंका। वर्ल्ड एथलेटिक्स के मुताबिक अलेक्ना का थ्रो 244 फुट 1 (74.41 मीटर) इंच नापा गया था, लेकिन बाद में इसे 74.35 मीटर कर दिया गया। हालांकि रिकॉर्ड को अभी वर्ल्ड एथलेटिक्स से मान्यता मिलना बाकी है। 21 वर्षीय एलेक्ना कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी में जूनियर हैं। वह विश्व चैंपियनशिप में दो बार पदक जीत चुके हैं। 2022 में उन्होंने रजत और बीते वर्ष उन्होंने कांस्य पदक जीता था।

एलेक्ना ने अपने पिता वर्जीलियस एलेक्ना को भी पीछे धकेल दिया है। शुल्ट के बाद सर्वश्रेष्ठ थ्रो वर्जीलियस की 73.88 मीटर थी, जो अब तीसरे स्थान पर आ गई है। एलेक्ना ने यह रिकॉर्ड क्यूबा की यामे पेरेज की ओर से एक दिन पहले ही फेंकी गई महिलाओं की सर्वश्रेष्ठ थ्रो 73.09 के बाद बनाया है।

सुनील नारायण ने जड़ा टी20 करियर का पहला शतक

IPL के इतिहास में पहली बार हुआ ऐसा

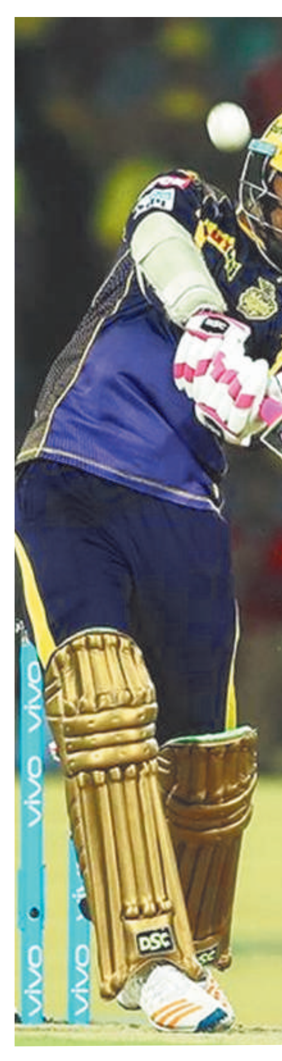

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता के ईडन गार्डेंस स्टेडियम में सुनील नारायण के बल्ले से एक शतकीय पारी देखने को मिली है। अपनी जादूई गेंदबाजी के लिए पहचाने जाने वाले सुनील नारायण ने इस बार बतौर बल्लेबाज कमाल का प्रदर्शन किया है।

सुनील नारायण ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेले जा रहे मैच में शतक जड़ा। ये उनकी टी20 करियर का पहला शतक भी है।

सुनील नारायण ने जड़ा पहला शतक

सुनील नारायण साल 2011 से टी20 क्रिकेट खेल रहे हैं। लेकिन 13 साल के उनके करियर में ये पहला मौका है जब उन्होंने शतक जड़ा है।

सुनील नारायण इस बार आईपीएल में केकेआर के लिए ओपनिंग कर रहे हैं और वह मैनेजमेंट के फैसले पर खरे भी उतरे हैं। उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेले जा रहे मैच 49 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया। उन्होंने शतक तक पहुंचने के लिए 11 चौके और 6 छक्के जड़े। नारायण इस मैच में 56 गेंदों पर 109 रन बनाकर आउट हुए।

आईपीएल के इतिहास में पहली बार हुआ ऐसा

सुनील नारायण ने इस शतक के साथ आईपीएल में एक बड़ा रिकॉर्ड भी बना दिया है। सुनील नारायण आईपीएल में शतक जड़ने के साथ-साथ 100 विकेट लेने वाले पहले खिलाड़ी भी बन गए हैं।

उनसे पहले आईपीएल में ये कारनामा किसी भी खिलाड़ी ने नहीं किया था। वहीं, नारायण के इतिहास के तीसरे खिलाड़ी बने हैं जिसने इस लीग में शतक जड़ा है और हैट्रिक लेने का कारनामा भी किया है।

ईशा अग्रवाल को दिया नारी फर्स्ट ज्वेल ऑफ इंडिया का क्राउन

एडवोकेट ईशा अग्रवाल ने एम्प्रेस श्रेणी में प्रतिष्ठित नारी फर्स्ट ज्वेल ऑफ इंडिया का खिताब जीता। यह ट्रॉफी एक कार्यक्रम में बॉलीवुड अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा ने उनको प्रदान की। नारी फर्स्ट ज्वेल ऑफ इंडिया ब्यूटी कॉन्टेस्ट का समापन कार्यक्रम कॉर्डेला क्रूज पर हुआ। इसमें विभिन्न पृष्ठभूमियों से 130 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिसमें एम्प्रेस श्रेणी में ईशा अग्रवाल विजेता बनीं। मुंबई में बसी छत्तीसगढ़ की रहने वाली सिंगल मदर ईशा की यात्रा संघर्ष से भरी हुई है।

छत्तीसगढ़ में एलएलएम पूरा करने के बाद उन्हें इंस्टाग्राम पर नारी फर्स्ट का विज्ञापन मिला। उनकी बेटी ने उनको अपने सपनों को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। पारिवारिक जिम्मेदारियों और काम के बीच संतुलन बनाते हुए ईशा डटी रहीं और साबित कर दिया कि सपनों की कोई सीमा नहीं होती। नारीफर्स्ट का ज्वेल ऑफ इंडिया ब्यूटी कॉन्टेस्ट पारंपरिक मानदंडों को तोड़ते हुए और विविधता और सशक्तिकरण की शक्ति का जश्न मनाते हुए एक शानदार कॉर्डेला क्रूज पर संपन्न हुआ। संस्थापक एकता शर्मा और अंशु बुधराजा द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम ने सभी उम्र, ऊंचाई और वजन के प्रतिभागियों का स्वागत किया। विभिन्न पृष्ठभूमियों से आए 130 प्रतियोगियों को शामिल करने वाली इस अभूतपूर्व प्रतियोगिता ने परिवर्तनकारी प्रशिक्षण प्रदान किया, जिसका समापन एक अविस्मरणीय अनुभव के रूप में हुआ।

अपकमिंग शो मैं हूं साथ तेरे में नेगेटिव किरदार निभाती नजर आएंगी एक्ट्रेस मानसी श्रीवास्तव

अपकमिंग शो मैं हूं साथ तेरे में रैना की नकारात्मक भूमिका निभाने वाली एक्ट्रेस मानसी श्रीवास्तव ने अपने किरदार के बारे में खुलकर बात की। यह शो आपको एक अकेली मां जानवी (उल्का गुप्ता) की यात्रा पर ले जाने के लिए तैयार है, जिसमें एक माता-पिता की भूमिका निभाते समय एक मां को निरंतर सामाजिक जांच और कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है . जानवी अपने बेटे कियान के साथ रहती है, जो उसकी दुनिया है, लेकिन उनके मजबूत बंधन के बावजूद कियान को घर में एक आदमी की मौजूदगी की कमी का अनुभव होता है।

कहानी तब और गहरी हो जाती है जब जानवी की मुलाकात एक अमीर व्यापारी आर्यमान (करण वोहरा) से होती है और दोनों एक ही छत के नीचे काम करने लगते हैं। शो में मानसी आर्यमन की बहन रैना का किरदार निभाती नजर आएंगी। हालांकि वह बुंदेला परिवार की सबसे छोटी बेटी है, लेकिन बहुत महत्वाकांक्षी है और अपने लक्ष्य हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करती है। लेकिन वह आर्यमान को पसंद नहीं करती, और वह नहीं चाहती कि बुंदेला की संपत्ति में उसका कोई हिस्सेदार हो क्योंकि वह उसके पिता की दूसरी शादी से हुआ बेटा है।

'पंड्या स्टोर' छोड़ने की वजह पर शो बनाने वालों पर लगाया ये बड़ा आरोप

छोटे पर्दे की चर्चित अभिनेत्री मेघा शर्मा अब धारावाहिक 'पंड्या स्टोर' का हिस्सा नहीं रहीं। चर्चा है कि उन्हें शो की बदलती कहानी के चलते बाहर कर दिया गया है। हालांकि, मेघा का अब ये कहना है कि ये शो उन्होंने खुद छोड़ दिया है। मेघा का आरोप है कि जैसे जैसे कहानी आगे बढ़ रही थी, उनके किरदार को शो में बिल्कुल हाशिये पर पहुंचा दिया गया था। धारावाहिक 'पंड्या स्टोर' छोड़ने के अपने फैसले की वजह बताते हुए मेघा ने कहा, मैं लगभग 9-10 महीनों तक शो का हिस्सा रही और पहले चार महीनों तक मैंने अपनी भूमिका का भरपूर आनंद लिया। लेकिन फिर, चीजें दोहराई जाने लगीं और मेरा चरित्र विकसित नहीं हो रहा था। मुझे ज्यादा स्क्रीन टाइम नहीं मिल रहा था, इसलिए मुझे ऐसा लग रहा था जैसे मैं एक अंतिम पड़ाव पर पहुंच रही हूं। मेघा के मुताबिक, जो कुछ हो रहा था, मुझे इस पर रोक लगाने की जरूरत महसूस हुई। इस प्रकार, मैंने शो छोड़ दिया क्योंकि मेरा किरदार विकसित नहीं हो रहा था और मेरे पास मुश्किल से ही कोई स्क्रीन टाइम या लाइन्स थीं। मैंने इसके बारे में बहुत सोचा, लेकिन जब मुझे एहसास हुआ कि मुझे चमकने का ज्यादा मौका नहीं मिल रहा है, तो मुझे छोड़ने का फैसला करना पड़ा। मेघा कहती हैं, चलते हुए शो को छोड़ना एक कठिन निर्णय था क्योंकि मुझे टीम के साथ काम करने में बहुत मजा आया, वे बहुत अच्छे थे।

संक्षिप्त समाचार

हाईकोर्ट ने गौरव भाटिया के खिलाफ सोशल मीडिया से अपमानजनक सामग्री हटाने का दिया आदेश

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने भाजपा प्रवक्ता और वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव भाटिया के खिलाफ सोशल मीडिया प्लेटफार्मों से कथित अपमानजनक सामग्री को हटाने का निर्देश दिया है। ये पोस्ट नोएडा की अदालत में एक घटना के संबंध में किए गए थे। इस घटना में गौरव भाटिया के साथ 20 मार्च को कथित तौर पर हाथापाई हुई थी। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर सार्वजनिक रूप से कथित अपमानजनक पोस्ट बहुत बढ़ गए हैं। अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार के आधार पर निजी गरिमा को ठेस पहुंचाने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। उच्च न्यायालय ने सोशल मीडिया प्लेटफार्मों से आपत्तिजनक सामग्री को हटाने का यह आदेश याचिकाकर्ता गौरव भाटिया की अंतरिम राहत याचिका पर दिया है। न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा की पीठ ने मारपीट की घटना की निंदा की और कहा कि गौतम बुद्ध नगर अदालत में वकील शायद हड़ताल पर थे, लेकिन जब वादी भाटिया को इसके बारे में सूचित किया गया तो वह स्थगन के लिए सहमत हो गए, जिसे मंजूर भी कर लिया गया। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि इन परिस्थितियों में गौरव भाटिया के साथ हाथापाई करना बेहद निंदनीय है। इस घटना की रिपोर्टिंग करना प्रेस और मीडिया का काम है, लेकिन घटना के बारे में सत्यवादी बने रहना भी एक कर्तव्य है जिसे निभाया जाना चाहिए। भाटिया की पिटाई होते दिखाने वाले डीपफेक वीडियो झूठे तथ्यों का चित्रण है। इन वीडियो से गौरव भाटिया की प्रतिष्ठा को क्षति पहुंची है। अदालत ने यह भी कहा कि भविष्य में इन पोस्ट के भाटिया के खिलाफ इस्तेमाल किए जाने का खतरा है। यह केस कुछ यूट्यूब चैनलों और एक्स हैंडल के खिलाफ दाखिल किया गया है। मुकदमे में फैसला आने तक सामग्री को सार्वजनिक डोमेन में रखे जाने से रोका जा सकता है। पीठ का मानना है कि यदि डीपफेक वीडियो और पोस्ट को सार्वजनिक डोमेन में रहने की अनुमति दी जाती है तो वादी की इमेज खराब होगी। ऐसे हैंडलों ने जिन्होंने विरोध नहीं किया है या कार्यवाही में उपस्थित नहीं हुए हैं, उन्हें हटाया जाएगा।

न्यूज क्लिक मामले में आरोपियों पर यूएपीए के तहत चलेगा केस, अदालत में बोली दिल्ली पुलिस

नईदिल्ली, एजेंसी। न्यूजक्लिक मामले में दिल्ली पुलिस को यूएपीए के तहत केस चलाने के लिए मंजूरी मिल गई है। पुलिस ने मंगलवार को अदालत को यह जानकारी दी। दिल्ली पुलिस ने यहां अदालत को बताया कि न्यूजक्लिक के संस्थापक प्रबीर पुरकायस्थ के खिलाफ आतंकवाद विरोधी कानून यूएपीए के तहत मुकदमा चलाने के लिए जरूरी मंजूरी प्राप्त कर ली गई है। बता दें कि समाचार पोर्टल पर चीन समर्थक प्रचार प्रसार के लिए धन प्राप्त करने का आरोप है। दिल्ली पुलिस ने सूचित किया कि यूएपीए की धारा-45 और सीआरपीसी 193 के तहत केस चलाने की सभी मंजूरी मिल गई है। विशेष लोक अभियोजक अखंड प्रताप सिंह ने एडिशनल सेशन जज हरदीप कौर की अदालत को बताया कि अलग-अलग कुल तीन मंजूरी आदेश है जो पूरक आरोप पत्र के रूप में दाखिल किए जा रहे हैं। अदालत ने मामले को 30 अप्रैल को आरोप पत्र पर संज्ञान लेने के लिए सूचीबद्ध किया है। दिल्ली पुलिस ने न्यूजक्लिक और उसके संस्थापक प्रबीर पुरकायस्थ के खिलाफ यूएपीए मामले में 30 मार्च को लगभग 8,000 पन्नों वाला अपना पहला आरोपपत्र दाखिल किया है।

फिर एक मंच पर आए राहुल और अखिलेश, गाजियाबाद में की जॉइंट पीसी

चुनावी वादों संग मोदी सरकार पर की हमलों की बौछार

नईदिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव आज गाजियाबाद में एक बार फिर एक मंच पर नजर आए। दोनों नेताओं ने यहां कौशांबी के होटल रेडिसन ब्लू में इंडिया गठबंधन की प्रत्याशी डॉली शर्मा के सर्थन में एक संयुक्त प्रेसवार्ता को संबोधित किया। इसके साथ ही केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार पर जमकर हमले बोले। राहुल दोनों ने यहां इलेक्टोरल बॉन्ड का मुद्दा प्रमुखता से उठाया।

दिल्ली से सटी गाजियाबाद लोकसभा सीट पर इस बार इंडिया गठबंधन के प्रमुख घटक दल कांग्रेस की प्रत्याशी डॉली शर्मा का मुकाबला भाजपा के अतुल गर्ग और बसपा के नंद किशोर पुंडीर से है। गाजियाबाद में दूसरे चरण में 26 अप्रैल को मतदान होगा।

राहुल गांधी ने यह पूछे जाने पर कि क्या वह अमेठी और रायबरेली से लोकसभा चुनाव लड़ेंगे? कांग्रेस नेता ने कहा कि ये भाजपा वालों का सवाल है, बहुत अच्छा...मुझे जो भी आदेश मिलेगा, मैं उसका पालन करूंगा। हमारी पार्टी में ये सभी (उम्मीदवारों के चयन) निर्णय ष्टश्वष्ट द्वारा लिए जाते हैं।

कांग्रेस नेता ने कि चुनावी बॉन्ड दुनिया की सबसे बड़ी जबरन वसूली योजना है। भारत के सभी कारोबारी इस बात को समझते और जानते हैं और प्रधानमंत्री चाहे कितनी भी सफाई दे दें, इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा क्योंकि पूरा देश जानता है कि प्रधानमंत्री भ्रष्टाचार के चैंपियन हैं। राहुल गांधी ने कहा कि कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री ने॰ह्लढ्ढ को एक बहुत लंबा इंटरव्यू दिया। यह स्क्रिप्टेड था, लेकिन यह फ्लॉप शो था। प्रधानमंत्री ने इसमें चुनावी बॉन्ड को समझाने की कोशिश की। प्रधानमंत्री कहते हैं कि चुनावी बॉन्ड की व्यवस्था पारदर्शिता के लिए, राजनीति को साफ करने के लिए लाया गया। अगर ये सच है तो सुप्रीम कोर्ट ने उस व्यवस्था को क्यों रद्द कर दिया और दूसरी बात अगर आप पारदर्शिता लाना चाहते थे तो आपने भाजपा को पैसा देने वालों के नाम क्यों छुपाए। आपने उन तारीखों को क्यों छुपाया जिस दिन उन्होंने आपको पैसे दिए थे?

राहुल गांधी ने कहा कि चुनाव में 2-3 बड़े मुद्दे हैं। बेरोजगारी सबसे बड़ा और महंगाई दूसरा सबसे बड़ा मुद्दा है, लेकिन बीजेपी ध्यान भटकाने में लगी हुई है न तो प्रधानमंत्री और न ही बीजेपी। मुद्दों पर बात करती है।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि यह चुनाव विचारधारा का चुनाव है। एक तरफ आरएसएस और भाजपा संविधान और लोकतांत्रिक को खत्म करने की कोशिश कर रही है और दूसरी तरफ इंडिया गठबंधन और कांग्रेस पार्टी संविधान और लोकतंत्र को बचाने की कोशिश कर रही है।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा की हर बात झूठी निकली उनके वादे झूठे निकले, ना किसान की आय दोगुनी हुई ना नौजवानों को रोजगार मिला। विकास के जो सपने दिखाए थे वे भी अधूरे हैं। इनका जो नैतिकता का बुलबुला था वे भी टूट गया। अखिलेश यादव ने कहा कि चुनावी बॉन्ड ने इनका बैंड बजा दिया। भाजपा सभी भ्रष्टाचारियों का गोदाम बन गई है।

जीएसटी फ्रॉड मामले में बड़ा ऐक्शन, नोएडा में अरबपति कारोबारियों की संपत्ति कुर्क करने के आदेश

नईदिल्ली, एजेंसी। नोएडा की एक अदालत ने जीएसटी फर्जीवाड़े में तीन अरबपति कारोबारियों को भगोड़ा घोषित करने के बाद उनकी संपत्ति कुर्क करने के आदेश दिए हैं। पुलिस मुनादी कराने के बाद आरोपियों के घरों पर नोटिस चस्पा करेगी। इसके बाद कुर्की की कार्रवाई शुरू होगी। कारोबारियों के पास एक हजार करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति है, जिसकी पहचान की जा रही है।

डीसीपी क्राइम शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि बीते दिनों सेक्टर-20 पुलिस ने दिल्ली के कारोबारी तुषार गुप्ता को गिरफ्तार किया था। उसके बाद पता चला कि दिल्ली के पंजाबी बाग के संजय ढींगरा, कनिका ढींगरा और मयंक ढींगरा ने कई करोड़ रुपये का फर्जीवाड़ा किया है। तीनों ने फर्जी तरीके से इनपुट टैक्स क्रेडिट लेकर सरकार के राजस्व को भारी नुकसान पहुंचाया है। अब इन आरोपियों के खिलाफ अदालत ने 82 की कार्रवाई करने का आदेश जारी किया है। जल्द ही इनकी संपत्ति को कुर्क किया जाएगा।

जीएसटी फर्जीवाड़े में नोएडा पुलिस की ओर से अबतक 33 आरोपियों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। कई अन्य आरोपी अब भी पुलिस के रडार पर हैं। इसमें कई कारोबारियों के नाम भी शामिल हैं। संजय, कनिका और मयंक ने कारोबार की आड़ में कई फर्जी कंपनियां बनाई और अवैध तरीके से आईटीसी लिया। इस गिरोह ने कागजों पर तीन हजार से अधिक फर्जी कंपनी और फर्म बनाने के बाद हजारों करोड़ रुपये का इनपुट टैक्स क्रेडिट लेकर सरकार को नुकसान पहुंचाया।

पुलिस ने बीते साल जून में 2600 से अधिक फर्जी कंपनी खोलकर भारत सरकार के राजस्व को अरबों रुपये का नुकसान पहुंचाने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया था। इस मामले में गौरव सिंघल, गुरमीत सिंह, राजीव, राहुल, विनीता, अश्वनी, अतुल सेंगर, दीपक मुरजानी, यासीन, विशाल, राजीव, जतिन, नंदकिशोर, अमित कुमार, महेश, प्रीतम शर्मा, राकेश कुमार, अजय कुमार, दिलीप कुमार, मनन सिंघल, पीयूष, अतुल गुप्ता, सुमित गर्ग, कुणाल समेत 33 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। खास बात यह है अब तक किसी भी आरोपी को भी जमानत नहीं मिली है।

चाचा-भतीजी के बीच था अवैध संबंध का शक, भाई और बाप ने काटे दोनों के गले; दिल्ली में डबल मर्डर से सनसनी

नईदिल्ली, एजेंसी। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के घोंडा इलाके में मंगलवार को एक युवक ने अवैध संबंध के शक में पिता के साथ मिलकर चाचा और बहन की गला रेतकर हत्या कर दी। आरोपी ने खुद पुलिस को फोन कर घटना की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पिता-पुत्र की पहचान 20 वर्षीय कुदुश और 46 वर्षीय मोहम्मद शाहिद के रूप में हुई है। भजनपुरा थाना पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल चाकू बरामद कर लिया है।

पुलिस उपायुक्त जॉय टिर्की ने बताया कि 35 वर्षीय दानिश परिवार के साथ कैलाश नगर इलाके में रहता था और फल बेचने का काम करता था। इनका परिवार मूलतः उप्परी कोट, बुलंदशहर, यूपी का रहने वाला था। 22 वर्षीय शायना परिवार के साथ घोंडा स्थित किराये के मकान में रहती थी। शायना के परिवार में माता-पिता के अलावा सात बहन-भाई हैं। पुलिस के अनुसार, 16 अप्रैल की शाम करीब 4 बजे एक कॉल आई। कॉलर ने बताया कि उसने अपने चाचा और बहन की हत्या कर दी है। मौके पर पहुंची पुलिस को शायना और दानिश के शव पड़े मिले। युवती के हाथ-पैर बांध दिए : कुदुश और शाहिद ने फल काटने वाले चाकू से दानिश का गला रेत दिया था। इस दौरान शायना उसे बचाने आई तो आरोपियों ने चुन्नी और लुंगी की मदद से उसके हाथ पैर बांध दिए। शायना शोर मचाने लगी तो आरोपियों ने उसका भी गला रेत डाला। इसके बाद पिता और पुत्र ने पुलिस को फोन कर वारदात की जानकारी दी। पूछताछ में मोहम्मद शाहिद ने बताया कि दानिश उसका चचेरा भाई था। उसका परिवार कैलाश नगर इलाके में रहता है, लेकिन वह उसके घर लगातार आता रहता था। उसने बताया कि मंगलवार को भी दानिश उनके घर आया था। वह शायना से मिलने चला गया। उसी समय घर में बेटा कुदुश आ गया। कुदुश ने दोनों को साथ देखा और दानिश के घर आने का विरोध करने लगा।

चीन में है एल्विश यादव के वर्चुअल नंबर का सर्वर? कोबरा कांड में जल्द आएगी मोबाइल डेटा रिपोर्ट

नईदिल्ली, एजेंसी। बिग बॉस ओटीटी-2 के विजेता और यूट्यूबर एल्विश यादव की मुश्किलें फिर बढ़ सकती हैं। रेव पार्टी आयोजित करने और उसमें सांपों का जहर सप्लाई करने के आरोपी यूट्यूबर एल्विश यादव और उसके साथियों के मोबाइल डेटा की रिकवरी रिपोर्ट अगले सप्ताह तक आने की संभावना है। मोबाइल डेटा रिकवरी की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। रिपोर्ट को नोएडा पुलिस फिर से संबंधित कोर्ट में पेश करेगी।

पुलिस को आशंका है कि एल्विश और उसके साथियों ने रेव पार्टी और सांपों के जहर से संबंधित कई तस्वीरें और चैट डिलीट की हैं, जो केस के लिए काफी अहम हैं। रिपोर्ट मिलने के बाद एल्विश यादव की मुश्किलें एक बार फिर से बढ़ सकती हैं। एल्विश यादव सांपों के जहर की पार्टी के लिए जिस वर्चुअल नंबर का इस्तेमाल करता था, उसका सर्वर चीन में होने की बात कही जा रही है।

'पीपुल फॉर एनिमल्स' (पीएफए) संस्था ने बीते साल 3 नवंबर को एल्विश यादव समेत छह नामजद लोगों के खिलाफ नोएडा सेक्टर-49 थाने में केस दर्ज कराया था। इसके अगले दिन नोएडा पुलिस ने पांच सपेरों को गिरफ्तार कर लिया था। इसके 135 दिन बाद पुलिस ने एल्विश यादव को गिरफ्तार किया था। वहीं, एल्विश यादव के दो सहयोगियों विनय व ईश्वर को भी गिरफ्तार किया गया था। **पिछले महीने हुई थी एल्विश की गिरफ्तारी:** गौरतलब है कि नोएडा पुलिस ने चार महीने पहले यहां एक पार्टी में नशे के लिए सांप के जहर के संदिग्ध इस्तेमाल के मामले में यूट्यूबर एल्विश यादव को 17 मार्च को गिरफ्तार कर लिया था। सूरजपुर कोर्ट में ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। पुलिस के मुताबिक, मामला वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972, भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 120 बी (आपराधिक साजिश), 284 (जहर से संबंधित लापरवाही भरा आचरण) और 289 (जानवरों के संबंध में लापरवाही भरा आचरण) के प्रावधानों के तहत दर्ज किया गया था। पुलिस ने बाद में इस मामले में एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों के तहत आरोप भी जोड़े गए हैं, जिसमें हरियाणा के गुरुग्राम निवासी एल्विश यादव को गिरफ्तार किया गया था। नोएडा पुलिस ने कहा था कि मामले की जांच के दौरान उसने कुछ नमूने एकत्र किए थे, जिनकी फॉरेंसिक प्रयोगशाला ने सांप का जहर होने की पुष्टि की था। एल्विश यादव ने इस मामले में संलिप्तता के आरोपों से इनकार किया है। नोएडा पुलिस ने पिछले साल 3 नवंबर को सेक्टर-51 स्थित एक बैंक्वेट हॉल से 5 लोगों को गिरफ्तार किया था और उनके पास से पांच कोबरा सहित नौ सांपों को मुक्त कराया गया था। आरोपियों के पास से सांप का 20 मिलीलीटर जहर भी जब्त किया गया था।

रेगिस्तानी मुल्क में बाढ़ जैसे हालात, एक दिन की बारिश में ही पानी-पानी हुआ दुबई; एयरपोर्ट-स्टेशन सब बंद

दुबई , एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और उसके आसपास के देशों में मंगलवार को जमकर बारिश हुई। बारिश इतनी तेज हुई की कई जगहों पर बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए। भारी बारिश के चलते यूएई में प्रमुख राजमार्गों के कुछ हिस्सों में लबालब पानी भर गया और पूरे दुबई में सड़कों पर खड़े वाहन पानी में डूबे नजर आए।

इसके अलावा, भारी बारिश के कारण यूएई के प्रशासन ने मंगलवार को लोगों से घरों में ही रहने का अनुरोध किया। स्कूलों ने कक्षाएं आनलाइन आयोजित कीं। सरकारी कर्मचारियों से भी घरों से कार्य करने को कहा गया। आइए आपको फोटो के माध्यम से दिखाते हैं कि किस तरह भारी बारिश के बाद दुबई जैसे थम सी गई। दुनिया के व्यस्तम हवाई अड्डों में से एक दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट (डीएक्सबी) पर करीब 25 मिनट संचालन बंद रहा। इस कारण कई उड़ानें रद करनी पड़ीं और कई विलंबित हो गईं।

सड़कों पर डूबती दिखीं कई गाड़ियां कई राजमार्गों और सड़कों से पानी निकालने के लिए प्रशासन को बड़े-बड़े पंप लगाने पड़े। पानी इतना भर चुका था कि कई गाड़ियां डूब गईं। मंगलवार को यूएई के आसमान में जमकर बिजली चमकी और फिर उसके बाद भारी बारिश का दौर जारी रहा। काले आसमान और तेज हवाओं की वजह से पूरी दुबई जैसे बादलों के घेरे में गिरफ्त दिखी। दुबई अपने बड़ी-बड़ी बिल्डिंग को लेकर जाना जाता है।

हमास, हिजबुल्लाह, हूती; लंबी है ईरान की आतंकी फौज, इजरायल और अमेरिका दोनों को देंगे टेंशन

तेहरान, एजेंसी। दुनिया के दो ताकतवर मुल्कों इजरायल और ईरान के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है। दूसरी ओर अमेरिका भी अपने दोस्त इजरायल के लिए ईरान पर सख्त ऐक्शन मोड में है। इजरायल के आग्रह पर अमेरिका ईरान पर पाबंदियों की झड़ी लगाने जा रहा है। अमेरिका का कहना कि ईरान पर जल्द ही पाबंदी लगाई जाएगी। अमेरिका के इस कदम से ईरान बौखलाया हुआ है। ईरान पहले ही अमेरिका को चेतावनी दे चुका है कि अगर उसने हस्तक्षेप किया तो वह चुप नहीं बैठेगा। ईरान के पास दुनिया की सबसे ताकतवर सेनाओं में एक इस्लामिक गार्ड कॉर्प्स के अलावा आतंकियों की कई फौज है, जो उसे बाहरी खतरे से बचाते हैं। इस्लामिक गार्ड कॉर्प्स ने ही इजरायल पर बीते दिनों ड्रोन और मिसाइलों की बारिश की थी। ईरान के पास इसके अलावा फिलीस्तीन में हमास, लेबनान में हिजबुल्लाह और यमन में हूती विद्रोहियों का भी पूरा समर्थन है। ये वे आतंकी संगठन हैं जो इजरायल ही नहीं अमेरिका को भी टेंशन दे सकते हैं। ईरान अपने लिए सबसे बड़ा खतरा अमेरिका को मानता है। मध्य पूर्व में ईरान खुद को अमेरिका का प्रॉक्सी भी बताता है। उसके लिए दूसरा बड़ा दुश्मन इजरायल है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के मामले में जानकारी रखने वाले अली वाएज़ का कहना है कि ईरान ने मध्य पूर्व में आतंकियों का ऐसा नेटवर्क बनाया है जिसके दम पर वह बिना लड़े अपनी ताकत की नुमाइश करता रहे। ईरान को कोई युद्ध लड़े 30 बरस हो गए हैं।

आतंकियों को घर में घुसकर मारेंगे, पीएम मोदी के बयान पर अमेरिका ने दी प्रतिक्रिया

वॉशिंगटन , एजेंसी। आतंकवाद के खिलाफ मोदी सरकार की नो टॉलरेंस पॉलिसी से पाकिस्तान पूरी तरह बौखला उठा है। दरअसल, भारत अब न सिर्फ अपने देश में आतंकियों का सफाया कर रहा है बल्कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में बैठे आतंकियों का भी सफाया करने में जुटा है।

कुछ दिनों पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा था कि आतंकियों को उनके घर में घुसकर मारने से नहीं हिचकिचाएंगे। वहीं, पिछले कुछ दिनों के भीतर पाकिस्तान में कई आतंकवादियों को मौत के घाट उतार दिया गया।

हालांकि,इन आतंकियों की हत्या किसने की है, इसबात की जानकारी पाकिस्तान सरकार के पास नहीं है।

पाकिस्तान ने आरोप लगाया है कि भारत के खुफिया एजेंसी यानी ࠀ्नङ्ख के एजेंट्स पाकिस्तान की धरती पर आतंकियों को निशाना बना रहे हैं।

पाकिस्तान के जरिए लगाए जा रहे इस आरोप पर अमेरिका ने भी प्रतिक्रिया दी है। हालांकि, अमेरिका ने जो कहा है वो पड़ोसी मुल्क को पसंद नहीं आई होगी। घर में घुसकर मारेंगे वाले बयान पर अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा, जैसा कि मैंने पहले कहा है, अमेरिका पाकिस्तान और भारत के बीच में नहीं आने वाला है। दोनों देश बातचीत के जरिए मुद्दों को सुलझाएं।

जब मिलर से पूछा गया कि खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नून की कथित हत्या की साजिश को लेकर अमेरिका ने भारत पर कोई प्रतिबंध क्यों नहीं लगाया है, तो मिलर ने कहा, मैं कभी भी किसी भी प्रतिबंध की कार्रवाई का पूर्वावलोकन नहीं करने जा रहा हूं। अमेरिका प्रतिबंधों के बारे खुलकर चर्चा नहीं करता।

पाकिस्तान ने क्या लगाए आरोप?: पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पाकिस्तान के नागरिकों को मनमाने ढंग से आतंकवादी करार देना और सजा देने का दावा करना साबित करता है कि वो दोषी हैं। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए यह जरूरी है कि वह भारत को उसकी गैरकानूनी गतिविधियों के लिए जिम्मेदार ठहराए। गौरतलब है कि भारत सरकार ने द गार्जियन में छपी रिपोर्ट और पाकिस्तान के आरोपों को बेबुनियाद करार दिया है।

चीन की जीडीपी का रिपोर्ट कार्ड आया सामने, पहली तिमाही में इकॉनमी 5.3 प्रतिशत की रफ्तार से बढ़ी

बीजिंग , एजेंसी। कोरोना काल के बाद दुनिया की दूसरी बड़ी चीन की इकॉनमी पटरी पर लौटने के लिए संघर्ष कर रही है। इस बीच चीन की पहली तिमाही का रिपोर्ट कार्ड सामने आ गया है । जनवरी-मार्च तिमाही में चीन की इकॉनमी 5.3त्न की रफ्तार से बढ़ी जो अनुमानों से बेहतर है। रॉयटर्स द्वारा एनालिस्ट्स के बीच कराए गए एक पोल के मुताबिक चीन की इकॉनमी के पहली तिमाही में 4.6त्न की स्पीड से बढ़ने की उम्मीद जताई गई थी। पिछली तिमाही में चीन की इकॉनमी की ग्रोथ 5.2 फीसदी थी। चीन सरकार का लक्ष्य 2024 में इकनॉमिक ग्रोथ पांच फीसदी के आसपास रखने का लक्ष्य रखा है। कई एनालिस्ट्स का कहना है कि यह टारगेट महत्वाकांक्षी है और इसके लिए ज्यादा स्टीम्यूलस की जरूरत होगी। चीन की इकॉनमी इस समय कई मोर्चों पर संघर्ष कर रही है। ऐसे में पहली तिमाही में इकॉनमी का उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन पॉलिसीमेकर्स के लिए अच्छी खबर है। चीनका रियल एस्टेट सैक्टर में संकट लगातार गहराता जा रहा है, लोकल गवर्नमेंट का कर्ज बढ़ रहा है और प्राइवेट सेक्टर खर्च नहीं कर रहा है। मंदी की आशंका में लोग पैसे खर्च करने के बजाय बचाने में लगे हैं। इस कारण खपत में सुस्ती है। चीन की जीडीपी में रियल एस्टेट की करीब एक तिहाई हिस्सेदारी है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

कार्यालय पताः- 435 ऑर्बिट मॉल विजय नगर, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।